जग प्रेरणा

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले मे प्रसारित हिन्दी दैनिक..

बालाघाट - 27 अगस्त 2026 | दिन - गुरुवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 211 | मूल्य - 5 रुपये

● बालाघाट ● वारासिवनी ● कटंगी ● बैहर ● लांजी ● परसवाड़ा ● सिवनी ● बरघाट ● छपारा ● केवलारी ● गोंदिया - भंडारा ● आमगांव ● गोरेगांव ● सालेकसा ● देवरी ● तिरोड़ा

'सरकार की आमद मरहबा' 'लबैक या रसूलल्लाह' इस्लामी नारो की सदाओ से गुंजा बालाघाट शहर..

हर्षोल्लास के साथ ईद मिलादुन्नबी पर्व पर शानो शौकत के साथ निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी..

पैग़ंबरे इस्लाम की यौमे पैदाईश पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

जगप्रेरणा बालाघाट।

पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाईश पर मनाया जाने वाला पर्व, जश्ने ईद मिलादुन्नबी बुधवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां दिन भर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन हुए। मुस्लिम धर्मावलंबियों

के सबसे बड़े पर्व में अल सुबह से ही इबादत का दौर शुरू हो गया, जहां घर घर खीर सहित अन्य मीठे पकवान बनाकर फातिहा दी गई। वही लोगो ने एक दूसरे को मिठाई बाटकर ईद मिलादुन्नबी नबी की मुबारकबाद दी। इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी नगर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूर्ण अक़ीदतो धार्मिक विधि-विधानो और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सुबह 10 बजे जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई (झंडा फहराया) कि गई। सलातो सलाम के बाद करीब 10:15 बजे इस्लामी नारो के साथ जुलूस ए मोहम्मदी शहर गस्त के लिए शानो शौकत के साथ रवाना हुआ। जहा जुलुस में शामिल गुलामे मुस्तफ़ाओ ने सरकार की आमद मरहबा' 'लबैक या रसूलल्लाह' की सदाए बुलन्द की।

अमनो अमान के संदेश के साथ रवाना हुआ जुलूस

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी नगर की जामा मस्जिद से जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। यह जुलूस जामा मस्जिद से अंजुमन शादी हाल, चांदनी चौक बैहर रोड मार्ग से शास्त्री चौक होते हुए मरारी मोहल्ला से देवी तलाब रोड वहां इतवारी बाजार अज्जु गनी के सामने से इतवारी बाजार के अंदर से डॉ. चतुर मोहता के सामने से मेंन रोड होते हुए काली पुतली चौक वहां जेल के सामने से जय स्तंभ चौक, वहां से बूढ़ी हॉस्पिटल के सामने से बस स्टैंड रानी अवन्ति चौक चौक पहुँचा।जहा तकरीर के माध्यम से सरकारें दो आलम की शान और उम्मते मुस्लिमा के बारे में बताया गया।उसके फौरन बाद यह जुलूस बैहर रोड रज़ा चौक से डॉ.खान गली से गुजरी होते हुए पुलिस क्वाटर के सामने से जामा मस्जिद चौक पहुँचा।जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर ,देश में अमन, चैन ,शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस ए मोहम्मदी का समापन किया गया।

जुलूस का जगह जगह हुआ स्वागत..

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले गए इस जुलूस ए मोहम्मदी का जगह जगह स्वागत किया गया। वही जगह जगह मिठाइयां,हलवा,खीर,छुवारे सहित अन्य सामग्रियों का वितरण कर लोगो ने एक दूसरे को ईदमिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी।इस दौरान जुलूस में शामिल धर्मालंबियों द्वारा लगाए गए नारे' सरकार की आमद मरहबा' 'नारा ए तकबीर - अल्लाहो अकबर ' सहित अन्य इलामी नारो से शहर गूंज उठा।जहां जुलूस में शामिल धर्मालंबियों के साथ साथ नात खानों ने नात ए रसूल, सलातो सलाम सहित अन्य इस्लामी तरानों की प्रस्तुतियां दी,वही बच्चे व युवा हाथो में हरे झंडे लिए बुलंद नारो के साथ इस्लामी तरानों में मनमुग्द नजर आए, इसके अलावा जुलूस में शामिल अन्य लोगो को दरूद ए मोहम्मदी का जिक्र करते हुए देखा गया।जिन्होंने पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर अपनी खुशी का इज़हार करते हुए मोहम्मद साहब के पैगाम को जन जन तक पहुँचाया।

अमर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि..

जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान एक और खूबसूरत नजारा नगर के चांदनी चौक के समीप देखने को मिला जहां नक्सली मुक्त बालाघाट बनाने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद आशीष शर्मा सहित अन्य वीर जवानों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान समस्त अमर जवानों के छायाचित्र पर फूलों की वर्षा की गई, तो वहीं जुलूस में शामिल अधिकारियों कर्मचारियों सहित अन्य ने बारी-बारी से उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सलामी दी।

इसके उपरांत जुलूस से मोहम्मदी चांदनी चौक से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ा।उधर तो आयोजको के इस आयोजन की हर किसी ने सरहाना की,तो वहीं स्थानीय लोगों सहित अन्य राहगीरों ने भी इस दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया।

अंजुमन शादी हाल में लुटाया गया लंगर..

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार सुबह से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां ,मोहम्मदी जुलूस, व जगह जगह लंगर ए आम का आयोजन किया गया।इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी यंग रजा मेमन कमेटी की जानिब में अंजुमन शादी हाल में लंगर ए आम का आयोजन किया गया।जहां जुलूस के बाद शाम को लंगर का सिलसिला शुरू होकर देर रात तक चलता रहा।इसके अलावा नगर के विभिन्न मार्गों में भी जगह जगह धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन कर लंगर वितरित किया गया।

देर रात तक सजावट का लुत्फउठाते नजर आए शहरवासी

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर नगर में की गई जगह-जगह सजावट का देर रात तक लोगों ने जमकर लुत्फउठाया। जहां सजावट का मुख्य आकर्षण केंद्र बस स्टैंड व बैहर रोड बना रहा। जहां मुस्लिम बंधुओ द्वारा पूरी बैहर रोड को दुल्हन की तरह सजाया गया था, तो वहीं विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों पर रंग बिरंगी लाइटिंग सजाई गई थी ,इसके अलावा मुख्य चौक चौराहों पर तरह-तरह के इस्लामिक चिन्हित आकृतियां बनाई गई, जिसका नगर वासियों ने जमकर लुफ्त उठाया ।तो वही जगह जगह लंगर के इंतजाम हुए इसके अलावा सुबह से लेकर देर रात तक खीर ,पुरी, हलवा सहित अन्य मिष्ठान सामग्रियों का जगह-जगह वितरण कर लोगों ने एक दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की बधाइयां दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 29 अगस्त को बालाघाट आगमन..

सांदीपनी विद्यालय में मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम में होंगे शामिल..

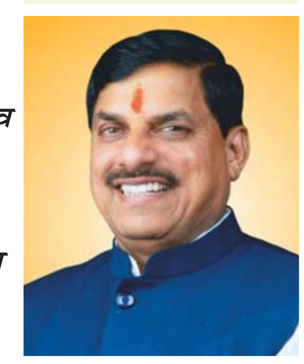

जगप्रेरणा बालाघाट।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत 29 अगस्त को बालाघाट के सांदीपनि विद्यालय में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के बालाघाट आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अगस्त को बालाघाट पहुंचेंगे। इसके बाद वे फील्ड विजिट के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात सांदीपनि विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनसंवाद, उद्यमियों से संवाद तथा युवा संवाद करेंगे। इसके साथ ही वे अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा समाधान ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी सुनवाई की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री मीडिया संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने आज 26 अगस्त को अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, विभागीय दायित्वों, सुरक्षा, यातायात, कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं सहित अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी करेंगे युवाओं से वर्चुअल संवाद..

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट में 27 अगस्त को होगा भव्य आयोजन, देशभर के युवाओं से करेंगे संवाद..

जगप्रेरणा बालाघाट।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 27 अगस्त 2026, गुरुवार को भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मेरा भारत के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे तथा कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र ऐड़े ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद : खेल की बात प्रधानमंत्री मोदी के साथ' कार्यक्रम की सबसे खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के युवाओं से दोतरफा श्रव्य-दृश्य माध्यम से वर्चुअल संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल, स्वास्थ्य एवं फिटनेस, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ना है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं प्रधानमंत्री का संबोधन सुनेंगे और अपने विचार एवं सुझाव भी साझा कर सकेंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने मेरा भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले सभी छात्र-छात्राओं से प्रातः 8:30 बजे महाविद्यालय के आभासी सभागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मेरा भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

युवा 'मेरा भारत सुझाव पेटी' के माध्यम से अपने सुझाव एवं आकांक्षाएं डिजिटल रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे। वर्चुअल संवाद के लिए चार प्रमुख विषय निर्धारित किए गए हैं। इनमें अधिक नागरिक कर्तव्यनिष्ठ युवा वर्ग का निर्माण, भविष्य के लिए तैयार युवा एवं कक्षा से परे आवश्यक कौशल, नए युग के युवाओं के लिए स्वयंसेवा की नई परिकल्पना तथा मेरा भारत को और अधिक सशक्त मंच बनाना शामिल है। कार्यक्रम की समय-सारिणी के अनुसार प्रातः 10 बजे अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आगमन तथा एकीकरण होगा।

सुबह 10:45 बजे तक स्वयंसेवक मेरा भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकेंगे। इसके बाद 10:45 से 11 बजे तक कार्यक्रम का परिचय एवं संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल आगमन होगा। 11 से 11:02 बजे तक स्वागत कार्यक्रम तथा 11:02 से 11:05 बजे तक राष्ट्रीय खेल दिवस पर आधारित लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री का वर्चुअल संवाद प्रारंभ होगा। दोपहर 12:18 से 12:33 बजे तक निर्धारित विशेष संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय खेल प्रतिभाओं, जनप्रतिनिधियों एवं विशिष्ट अतिथियों की सहभागिता भी रहेगी। वे युवाओं के साथ खेल गतिविधियों, फिटनेस के प्रति जागरूकता तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने अधिकाधिक छात्र-छात्राओं से इस महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

सेक्टर पर्यवेक्षक की पहल से गंभीर कुपोषित बालक आयुष को एनआरसी में कराया गया भर्ती

जगप्रेरणा बालाघाट। कुपोषण जैसी गंभीर समस्या से बच्चों को बचाने और उन्हें स्वस्थ जीवन देने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में परियोजना अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौकसे के मार्गदर्शन में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अनामिका जैन द्वारा गंभीर कुपोषित बालक को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए संवेदनशील पहल की गई। उनके लगातार फॉलोअप, गृह भेंट और समझाइश के परिणामस्वरूप आंगनवाड़ी केंद्र सोनखार के 11 माह के बालक आयुष पटले को पोषण पुनर्वास केंद्र (ह्त्रष्ट) बालाघाट में भर्ती कराया गया है। आंगनवाड़ी केंद्र सोनखार के अंतर्गत जुलाई माह में बालक आयुष पटले की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति का परीक्षण किया गया था।

जांच के दौरान बालक को स्द्ग1द्गह्द्ध ष्ह्लह्द्ग ख्रुद्यठ्ठद्धह्लह्लद्धह्लद्बश्ठ्ठ (स्न्रू) यानी गंभीर रूप से कुपोषित श्रेणी में चिन्हित किया गया। उस समय बालक की उम्र 11 माह, वजन 7 किलोग्राम और ऊंचाई 75 सेंटीमीटर दर्ज की गई थी। उसकी उम्र के अनुपात में यह स्थिति गंभीर कुपोषण की ओर संकेत कर रही थी। बालक के गंभीर कुपोषित पाए जाने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा उसके स्वास्थ्य की निगरानी और नियमित फॉलोअप शुरू किया गया। बालक की स्थिति को देखते हुए सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अनामिका जैन द्वारा लगातार गृह भेंट की गई। इस दौरान उन्होंने बालक के स्वास्थ्य, खान-पान एवं पोषण संबंधी स्थिति की जानकारी ली तथा परिजनों को आवश्यक सलाह दी। 25 अगस्त 2026 को भी पर्यवेक्षक द्वारा बालक के घर पहुंचकर परिजनों से विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने माता-पिता एवं अन्य परिजनों को गंभीर कुपोषण के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही बालक को बेहतर उपचार, विशेष पोषण आहार और चिकित्सकीय निगरानी उपलब्ध कराने के लिए उसे पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने की आवश्यकता समझाई। पर्यवेक्षक की निरंतर समझाइश और काउंसलिंग का सकारात्मक परिणाम सामने आया। परिजनों ने बालक के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उसे ह्त्रष्ट में भर्ती कराने की सहमति दी।

इसके बाद 26 अगस्त 2026 को बालक आयुष पटले को जिला मुख्यालय स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (ह्त्रष्ट), बालाघाट में सुरक्षित रूप से भर्ती कराया गया। ह्त्रष्ट में अब बालक को चिकित्सकीय निगरानी के साथ आवश्यक पोषण आहार एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेषज्ञों की देखरेख में बालक की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। आयुष की ह्त्रष्ट में भर्ती की यह पहल बताती है कि कुपोषण के खिलाफकेवल योजनाओं का संचालन ही नहीं, बल्कि मैदानी स्तर पर नियमित निगरानी, गृह भेंट, परिवार की काउंसलिंग और समय पर उपचार तक पहुंच भी बेहद महत्वपूर्ण है। परियोजना अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौकसे के मार्गदर्शन में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अनामिका जैन द्वारा किए गए लगातार फॉलोअप और संवेदनशील प्रयास से गंभीर कुपोषित बालक को समय रहते विशेष उपचार और पोषण की सुविधा मिल सकी। महिला एवं बाल विकास विभाग का यह प्रयास कुपोषण से प्रभावित बच्चों को स्वस्थ जीवन की ओर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग द्वारा अभिभावकों से भी अपील की जा रही है कि बच्चों के वजन, ऊंचाई, खान-पान और स्वास्थ्य में किसी प्रकार की कमी दिखाई देने पर तत्काल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक अथवा स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले से संपर्क करें, ताकि बच्चे की स्थिति का समय पर परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं पोषण सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

विज्ञापन संकलन
मो. हासिब खान
जिला सिवनी
संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

ईद मिलादुन्नबी: शानौ शौकत से निकला विशाल पैदल जुलूस

जगप्रेरणा सिवनी।

पूरी दुनिया को इंसानियत, भाईचारे, मोहब्बत और मानवता का पैगाम देने वाले इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की पैदाइश के मुबारक मौके पर

मनाया जाने वाला ईद मिलादुन्नबी पर्व शानो-शौकत और अजीम-ओ-शान अंदाज में मनाया गया। पर्व को लेकर मुस्लिम समाज में खासा उत्साह देखा गया और नगर सहित जिले के विभिन्न मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में विशेष सजावट की गई थी। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवारी बाजार स्थित ईदगाह मस्जिद से सुबह 9 बजे विशाल पैदल जुलूस निकाला गया। जुलूस निर्धारित मार्ग से भ्रमण करते हुए ईद मिलादुन्नबी ग्राउंड, बस स्टैंड पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में समाज के लोगों के शामिल हुए, वही वाहन रैली ईदगाह मस्जिद से दोपहर 4 बजे निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से गुजरने के पश्चात अपने समापन स्थल पहुंची।

आलिमों की हुई तकरीर, मांगी अमन-चैन की दुआ..

बस स्टैंड स्थित ईद मिलादुन्नबी ग्राउंड में पहुंचने के बाद आलिमों द्वारा तकरीर की गई। तकरीर में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की सीरत, उनके बताए इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे और अमन के रास्ते पर चलने का पैगाम दिया गया। इसके बाद सामूहिक दुआ का आयोजन किया गया।

लंगर का किया गया इंतजाम..

दुआ के पश्चात जुलूस में शामिल सभी लोगों के लिए लंगर का इंतजाम किया गया। आयोजन को लेकर सीरतुन्नबी कमेटी के पदाधिकारियों एवं समाजजनों द्वारा तैयारियां की गई थी।

सजावट से रोशन हुआ शहर..

ईद मिलादुन्नबी को लेकर सिवनी नगर सहित जिले के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में खास सजावट की गई थी। विभिन्न स्थानों पर आकर्षक विद्युत सज्जा एवं सजावट देखते ही बन रही थी। पर्व को लेकर समाज के लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया।

छपारा में भी शानो-शौकत से मनाया गया ईद-मिलादुन्नबी का जुलूस..

पूरी दुनिया को इंसानियत, भाईचारा, मोहब्बत और मानवता का पैगाम देने वाले हजरत मोहम्मद साहब (स.अ.व.) की यौमे पैदाइश के मौके पर हर साल मनाया जाने वाला पर्व ईद-मिलादुन्नबी इस वर्ष भी छपारा में बड़ी अकीदत और शानो-शौकत के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर शहर में एक विशाल पैदल जुलूस निकाला गया। जुलूस दोपहर 2:30 बजे अखाड़ा चौक से शुरू हुआ। हजारों अकीदतमंद नारे-ए-तकबीर और नारे-ए-रिसालत लगाते हुए बड़े अदब और एहतराम के साथ जुलूस में शामिल हुए। जुलूस शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ तकिया वार्ड, बाजार चौक, लोधी वार्ड, बस स्टैंड होते हुए संजय कॉलोनी पहुंचा। संजय कॉलोनी में अकीदतमंदों के लिए लंगर का आयोजन किया गया था, जहां सभी ने मिलकर लंगर खाया। इसके बाद जुलूस वापस अखाड़ा चौक पर आकर समाप्त हुआ।

नागरिकों ने किया शानदार इस्तकबाल

ईद-मिलादुन्नबी के इस पैदल जुलूस का शहर के नागरिकों ने जगह-जगह स्टॉल लगाकर शानदार इस्तकबाल किया। हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करते हुए शहरवासियों ने जुलूस में शामिल लोगों को मिष्ठान, फल, खजूर, शरबत और ठंडे पेयजल का वितरण किया। इस मौके पर छपारा शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भी बड़ी संख्या में शिरकत की। पूरे कार्यक्रम के दौरान छपारा पुलिस प्रशासन और नौजवान कमेटी के युवाओं का विशेष सहयोग रहा, जिसकी सभी ने सराहना की। जुलूस शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ईद ए मिलादुन्नबी के जुलूस का बोहरा समाज ने किया स्वागत..

प्रत्येक वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी इस्लाम धर्म के कैलेंडर अनुसार रबी उल अव्वल के महीने में 12 तारीख पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन यानी ईद मिलाद अन नबी का त्यौहार पूरे हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया इस वर्ष भी प्रत्येक वर्षों के अनुसार दाऊदी बोहरा समाज ने मिलादुन नबी के जुलूस का पुरजोर पुरखलूस तौर से शरबत कोल्ड ड्रिंक के साथ स्वागत किया.

जहां जुलूस अपने शबाब पर था वही दाऊदी बोहरा समाज के यंगस्टर एवं बुरहानी कमेटी के नौजवानों ने पूरे जोश और मोहब्बत के साथ के फूलों के हार फूल माला शरबत कोल्ड ड्रिंक के साथ एस्टिकबाल किया। चारों ओर नबी साहब के जन्मदिन की खुशियों की बहार थी वही जुलूस और मुस्लिम भाइयों के दिलों में नबी साहब के जन्म की खुशियों का सैलाब उमर रहा था वही जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस प्रशासन मुस्तादी से तैनात होकर व्यवस्था संभाल रहे थे।

ग्राम पंचायत मेहरा खापा के पूर्व सचिव संतोष कुमार को 07 वर्ष एवं ठेकेदार सफीउल्ला खान को 05 वर्ष की सजा का कारावास..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला सिवनी के जनपद पंचायत सिवनी के अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहराखापा थाना कन्हीवाड़ा के अंतर्गत का यह फर्जीवाड़ा का मामला वर्ष 2014 का है ।

मनोज कुमार सैयाम मीडिया प्रभारी अभियोजन सिवनी ने बताया कि ग्राम पंचायत मेहरा खापा के सचिव मोहनलाल डेहरिया के द्वारा थाना कानहिवाड़ा में लिखित शिकायत दी गई की पूर्व सचिव संतोष कुमार एवं सरपंच कमला अहाके के द्वारा ठेकेदार हबीबुल्ला खान तथा सफीउल्ला खान को ग्राम पंचायत के आधिपत्य में खसरा क्रमांक 253 पर 05 एकड़ के तालाब में मछली पालने और पकड़ने का ठेका देने के लिए ग्राम पंचायत मेहरा खापा के ग्राम सभा दिनांक 15/ 08/14 को पारित हुए 08 प्रस्ताव में तालाब को लीज पर देने का प्रस्ताव पारित नही हुआ था, परंतु बाद में सचिव संतोष के द्वारा ग्राम सभा रजिस्टर के रिक्त स्थान पर 09 वा फर्जी प्रस्ताव लिखकर उक्त तालाब का ठेका आरोपी सफीउल्ला खान एवं हबीउल्ला खान को दिया गया तथा ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव के द्वारा उपरोक्त ठेकेदारों के साथ पूर्व दिनांक का फर्जी अनुबंध किया गया जबकि उक्त दिनांक को वह दोनो उक्त पद पर नहीं थे। उक्त अनुबंध पत्र एवम फर्जी लीज के आधार पर ठेकेदार सफीउल्ला खान एवं हबीबुल्ला खान के द्वारा मत्स्य विभाग से अनुमति प्राप्त कर उक्त तालाब से लाखों रुपए की मछली निकाली गई ,इस प्रकार अवैध लाभ अर्जित किया गया और ग्राम पंचायत को भी लाखों रुपए का नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस के द्वारा तत्कालीन सचिव संतोष कुमार तथा तत्कालीन सरपंच कमला आहाके एवं ठेकेदार सफीउल्लाह खान एवं हबीबुल्लाह खान के विरुद्ध फर्जीवाड़ा के अपराध में माननीय न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के दौरान आरोपी हबीउल्ला की मृत्यु हो गई। जिला सिवनी के माननीय विद्वान न्यायाधीश श्रीमान लक्ष्मण कुमार वर्मा प्रथम अपर सत्र न्यायालय के द्वारा विचारण किया गया सुनवाई के दौरान आरोपी हबीउल्ला की मृत्यु हो गई मामले में शासन की ओर से एजीपी नेतराम चौरसिया एवं वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी श्री लोकेश कुमार घोरमारे के द्वारा गवाह और सबूतो को न्यायालय के समक्ष रखा गया। जिस पर माननीय विद्वान न्यायालय द्वारा तत्कालीन सरपंच कमला अहाके के विरुद्ध साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त किया गया और आरोपी सफीउल्ला खान पिता हबीबुल्ला खान निवासी मेहराखापा को धारा 420 / 120 (बी) भा.द.वी.के अपराध में 05 वर्ष, का सश्रम कारावास एवं धारा =471 भा.द.वी. में 02 वर्ष, का सश्रम कारावास एवं कुल 3000 रू.अर्थ दंड , तथा आरोपी संतोष कुमार पिता फकीर लाल कुमरे निवासी मेहराखापा को, धारा 467/120 (बी) भा.द.वि. के अपराध में 07 वर्ष, धारा=468 भा.द.वि. में 05 वर्ष, एवम कुल 4000 रुपए के अर्थदंड से दंडित करने का निर्णय कल दिनांक 25/08/26 को सुनाया है।

विशाल कावड़ यात्रा में श्रद्धालुओं के साथ कावड़ लेकर शामिल हुए केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश हरवंश सिंह

जगप्रेरणा सिवनी।

श्रावण मास के पावन अवसर पर सोमवार को केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश हरवंश सिंह ने छपारा स्थित बैनगंगा नदी से पवित्र जल कावड़ में भरकर गुरु रत्नेश्वर धाम दिघौरी के लिए विशाल कावड़ यात्रा शुरू की। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कावड़ लेकर शामिल हुए।

कावड़ यात्रा के बंडोल पहुंचने पर जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं कावड़ियों का पुष्पवर्षा और आत्मीय स्वागत किया गया। स्थानीय नागरिकों द्वारा जलपान, फलाहार एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

इस दौरान बंदू बघेल, महेश अग्रवाल, संजय (संजू) बघेल पारस तिवारी, उस्मान खान, अमित बघेल, गोलू बघेल, गोपाल बघेल, सुनील बघेल, पत्रकार हरि जायसवाल सहित ग्राम के गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक कावड़ियों का स्वागत किया। धार्मिक उत्साह और भक्ति से सराबोर वातावरण में कावड़ यात्रा आगे गुरु रत्नेश्वर धाम दिघौरी की ओर रवाना हुई।

अस्पताल पहुंच मार्ग बना दलदल, मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़..

जगप्रेरणा घंसौर।

घंसौर में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली का एक और गंभीर चेहरा सामने आया है। मेन रोड से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाला मार्ग बारिश के चलते भयंकर कीचड़ और दलदल में तब्दील हो चुका है। हालात इतने बदतर हैं कि अस्पताल पहुंचना मरीजों और उनके परिजनों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं रह गया है। बताया जा रहा है कि इस मार्ग पर आए दिन लोग फिसलकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं। बीमारी से परेशान मरीज जब इलाज के लिए अस्पताल पहुंचते हैं तो रास्ते की दुर्दशा उनकी परेशानी को और बढ़ा देती है।

बीमार मरीजों के सामने रास्ते की अग्निपरीक्षा

अस्पताल तक पहुंचने वाला मार्ग यदि सुरक्षित नहीं है तो स्वास्थ्य व्यवस्था की पूरी तस्वीर पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। मरीजों को लेकर आने वाले परिजनों को कीचड़ में वाहन निकालने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। पैदल चलने वालों की स्थिति तो और भी खराब है। कीचड़ में पैर फिसलने से लोग गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं। सबसे गंभीर स्थिति बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर मरीजों के साथ आने वाले परिजनों की है। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्हें जोखिम भरे रास्ते से गुजरना पड़ रहा है।

रास्ता नहीं तो इलाज तक पहुंच कैसे?

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा है। दूर-दराज के ग्रामीण यहां उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल के मुख्य पहुंच मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि जब मरीज बीमारी से जूझते हुए अस्पताल पहुंच रहा है, तो क्या उसे अस्पताल के दरवाजे तक पहुंचने के लिए कीचड़ और दलदल से भी लड़ना पड़ेगा?

तत्काल मुरम-बजरी डालना भी संभव, फिर क्यों चुप्पी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थायी सीसी रोड निर्माण में समय लग सकता है, लेकिन तत्काल राहत देने के लिए मार्ग पर मुरम और बजरी डलवाकर रास्ते को चलने योग्य तो बनाया जा सकता है। इसके बावजूद जिम्मेदारों की ओर से तत्काल राहत के ठोस प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं। लोगों का आरोप है कि प्रशासन यदि इच्छाशक्ति दिखाए तो अस्थायी व्यवस्था के रूप में मुरम-बजरी डालकर मरीजों और आम नागरिकों को तत्काल राहत दी जा सकती है।

रोज हादसे, फिर भी नहीं जाग रहे जिम्मेदार..

स्थानीय लोगों के अनुसार मार्ग की दुर्दशा के कारण आए दिन घटनाएं और दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोग फिसलकर गिर रहे हैं, चोटिल हो रहे हैं और वाहन भी कीचड़ में फंस रहे हैं। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान तो दूर, तत्काल राहत के लिए भी प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जनता की दो टूक—सीसी रोड बनाओ..

आम नागरिकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके का निरीक्षण कराया जाए। पहले चरण में मुरम-बजरी डालकर रास्ते को आवागमन योग्य बनाया जाए और इसके बाद मेन रोड से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक स्थायी सीसी रोड का निर्माण कराया जाए।

जनता का सवाल साफ है..

जब अस्पताल तक पहुंचने वाला रास्ता ही मरीजों के लिए आफ्त बन जाए, तो स्वास्थ्य सुविधा का लाभ आखिर कैसे मिलेगा? प्रशासन को अब कागजी कार्रवाई और इंतजार से आगे बढ़कर मौके पर तत्काल कार्रवाई करनी होगी। क्योंकि यहां सवाल केवल सड़क का नहीं, बल्कि मरीजों और आम नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही का है।

फीस की समस्या दूर हुई तो कलेक्टर को धन्यवाद देने पहुंची प्रियांशी..

18 विद्यार्थियों को मिला शुल्क माफी का लाभ..

जगप्रेरणा सिवनी।

जनसुनवाई में अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए मदद की उम्मीद लेकर पहुंची एलएलबी छात्रा प्रियांशी बघेल की समस्या का त्वरित समाधान होने पर वह कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना

को धन्यवाद देने स्वयं उनसे मिलने पहुंची। समस्या के समाधान से खुश प्रियांशी अपने साथ कलेक्टर के लिए धन्यवाद पत्र और उपहार स्वरूप चॉकलेट्स लेकर आई। शासकीय विधि महाविद्यालय, सिवनी में एलएलबी पाठ्यक्रम की छात्रा प्रियांशी बघेल ने संबल एवं भवन निर्माण योजना के कार्ड के माध्यम से कॉलेज फीस माफी का लाभ दिलाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन दिया था। शुल्क माफी में तकनीकी समस्या के कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। प्रियांशी की समस्या को कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक श्री अतुल वैद्य ने महाविद्यालय से समन्वय कर तकनीकी समस्या का निराकरण कराया। समस्या का समाधान होते ही प्रियांशी सहित शासकीय विधि महाविद्यालय के कुल 18 विद्यार्थियों के लिए संबल एवं भवन निर्माण योजना के कार्ड से शुल्क माफी का लाभ मिलना संभव हो पाया। समस्या के इतनी जल्दी समाधान से भावुक और खुश प्रियांशी ने कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना से मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने अपनी चिट्ठी में समस्या के त्वरित समाधान के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस सहायता से उनकी पढ़ाई जारी रखने में बड़ी मदद मिली है। प्रियांशी का यह आत्मीय भाव देखकर कलेक्टर ने भी उनकी शुभकामनाएं स्वीकार कीं और पढ़ाई में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

त्वरित कार्रवाई के लिए श्रम विभाग को किया प्रोत्साहित..

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने प्रकरण में त्वरित कार्रवाई और प्रभावी समन्वय के लिए श्रम निरीक्षक श्री अतुल वैद्य एवं श्रम विभाग की सराहना की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इसी तरह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

भाजपा सरकार की नीतियों ने आम जनता की कमर तोड़ दी-नरेश मरावी

आज नगर/ब्लॉक कांग्रेस करेगी भाजपा सरकार की विफल नीतियों के खिलाफविरोध प्रदर्शन..

जगप्रेरणा सिवनी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निदेशानुसार दिनांक 27 अगस्त 2026 को सिवनी जिले के समस्त ब्लॉक मुख्यालयों में बढ़ती हुई बेतहाशा महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

इसी तारतम्य में नगर के बुधवारी बाजार, नगरपालिका चौराहा एवं पेट्रोल पम्प में जिला एवं नगर/ब्लॉक कांग्रेस सिवनी द्वारा दोपहर 1 बजे से केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार की विफल नीतियों के खिलाफविरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के शासनकाल में लगातार बढ़ रही बेतहाशा महंगाई ने आम जनता का जीवन दूभर कर दिया है। शक्कर जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुओं से लेकर पेट्रोल, बिजली और अन्य आवश्यक सेवाओं तक बढ़ते खर्च ने गरीबए किसानए मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आज प्रदेश की जनता महंगाई की चौतरफा मार झेल रही है। शक्कर जैसी आवश्यक वस्तु के दामों में अचानक हो रही वृद्धि ने आम परिवारों की परेशानी और बढ़ा दी है। भाजपा सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। श्री मरावी ने कहा कि पेट्रोल में एथनॉल की बढ़ती मिलावट के कारण अनेक वाहन मालिकों को अपनी गाड़ियों के इंजन एवं अन्य तकनीकी खराबियों की शिकायतों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर जनता पहले से ही महंगे पेट्रोल का भुगतान कर रही हैए वहीं दूसरी ओर वाहनों की मरम्मत और रखरखाव पर बढ़ता खर्च आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है।

उन्होंने बिजली व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में आम उपभोक्ताओं को अनाप.शनाप और बढ़े हुए बिजली बिल प्राप्त हो रहे हैं। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार बिजली बिल जमा करने के लिए परेशान हैं लेकिन भाजपा सरकार और बिजली विभाग जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील दिखाई नहीं दे रहे हैं। नरेश मरावी ने कहा भाजपा सरकार के राज में आम आदमी की जेब पर लगातार डाका डाला जा रहा है। रसोई की महंगाई होए पेट्रोल का बढ़ता खर्च हो या फिर बिजली के भारी भरकम बिलकृहर तरफ जनता परेशान है। सरकार को महंगाई पर नियंत्रण करने और जनता को राहत देने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि शक्कर एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर तत्काल नियंत्रण किया जाएए पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण से उत्पन्न वाहन संबंधी समस्याओं और जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ की जिम्मेदारी तय की जाए तथा बिजली उपभोक्ताओं को राहत देते हुए गलत एवं अत्यधिक बिजली बिलों की तत्काल जांच कर उन्हें सुधारा जाए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष तनवीर अहमद, सिवनी ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष किशोरी कुंजाम ने समस्त कांग्रेस जनों से विरोध प्रदर्शन आंदोलन में उपस्थिति हेतु अपील की है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनोंके लिये संपर्क करें मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

युवाओं के बीच जमीनी स्तर पर कानूनी जागरूकता और पारदर्शिता बढ़ाने की एक पहल जागृति योजना 2025..

वारासिवनी केशव इंग्लिश स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीश शर्मा ने विद्यार्थियों को बताए कानून और करियर के गुरुमंत्र

केशव इंग्लिश स्कूल में करीब 150 विद्यार्थियों ने लिया मार्गदर्शन..

जगप्रेरणा वारासिवनी।
कैलाश कसार स्थानीय केशव इंग्लिश स्कूल में तहसील विधिक सेवा समिति, वारासिवनी के तत्वावधान में सोमवार को दोपहर 2:30 बजे वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश सतीश शर्मा ने विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, यातायात नियमों और विधिक सहायता के प्रावधानों की जानकारी देने के साथ ही करियर निर्माण को लेकर भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।

घोष वंदन के साथ हुआ आत्मीय स्वागत

विद्यालय परिसर में अतिथि न्यायाधीश सतीश शर्मा का घोष वंदन के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं दीप स्तुति के साथ हुआ। इसके बाद संस्था के प्राचार्य मयंक मिश्रा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर न्यायाधीश शर्मा का स्वागत किया। शिक्षिका सोनाली गोस्वामी ने विद्यार्थियों से न्यायाधीश महोदय से परिचय कराया।

गिरफ्तारी और कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

न्यायाधीश सतीश शर्मा ने विद्यार्थियों को गिरफ्तारी की प्रक्रिया और नागरिकों के कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए कहा कि गिरफ्तारी के लिए वैधानिक आधार और निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी की स्थिति में संबंधित व्यक्ति को यह जानने का अधिकार है कि उसे किस अपराध या कारण के आधार पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद संबंधित व्यक्ति के परिजन अथवा उसके द्वारा नामित व्यक्ति को इसकी सूचना दिए जाने का प्रावधान है। साथ ही विद्यार्थियों को जमानती और अजमानती अपराध के अंतर की जानकारी देते हुए बताया कि जमानती अपराध में कानून के अनुसार जमानत का अधिकार उपलब्ध होता है, जबकि अजमानती अपराध में जमानत न्यायालय के समक्ष आवेदन और मामले की परिस्थितियों के आधार पर मिल सकती है। न्यायाधीश शर्मा ने बताया कि जिन लोगों के पास वकील करने के लिए पर्याप्त आर्थिक साधन नहीं हैं, वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के साथ-साथ कानून के प्रति अपने कर्तव्यों की जानकारी रखने के लिए भी प्रेरित किया।

नौवीं से बारहवीं तक का समय लक्ष्य तय करने का

विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन देते हुए न्यायाधीश सतीश शर्मा ने कहा कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक का समय जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। विद्यार्थियों को 10वीं अथवा 12वीं के बाद अपने करियर की दिशा स्पष्ट कर लेनी चाहिए, ताकि आगे की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी भविष्य में ÷यदि विद्यार्थी भविष्य में संघ लोक सेवा आयोग (क्ष्क्ष्ट), मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (स्क्ष्क्ष्ट), न्यायिक सेवा, कलेक्टर या पुलिस सेवा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में जाना चाहते तो उसकी तैयारी की मजबूत नींव स्कूली शिक्षा के दौरान ही रखी जाती है। कक्षा छठी से बारहवीं तक एनसीईआरटी पुस्तकों और पाठ्यक्रम का गंभीरता से अध्ययन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल की पढ़ाई को केवल परीक्षा पास करने तक सीमित न रखें, बल्कि विषयों को समझकर पढ़ें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, लक्ष्य के प्रति ईमानदारी और निरंतर प्रयास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

वाहन चलाते समय नियमों का पालन जरूरी

यातायात नियमों की जानकारी देते हुए न्यायाधीश सतीश शर्मा ने कहा कि वाहन से दुर्घटना होने की स्थिति में परिस्थितियों और लागू कानून के अनुसार वाहन चालक के साथ वाहन के पंजीकृत मालिक की जिम्मेदारी भी निर्धारित हो सकती है। इसलिए वाहन मालिकों को अपने वाहन के दस्तावेजों और उसके उपयोग को लेकर सजग रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि वाहन के लिए वैध बीमा होना आवश्यक है। विद्यार्थियों और अभिभावकों को घर में मौजूद बाइक, स्कूटी अथवा अन्य वाहनों के बीमा की वैधता समय-समय पर जांचते रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वाहन चलाने वाले व्यक्ति के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए। अभिभावकों को बिना वैध लाइसेंस वाले व्यक्ति को वाहन नहीं देना चाहिए।उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि बिना वैध लाइसेंस और बीमा के वाहन न चलाएं तथा यातायात नियमों की अनदेखी न करें।

अपने छात्र जीवन की यादें भी साझा कीं

विद्यार्थियों से संवाद के दौरान न्यायाधीश सतीश शर्मा ने अपने छात्र जीवन की यादें भी साझा कीं। वक्ता ने बताया कि वे खुद सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र रहे हैं और उनकी पहली से लेकर बाहरवी वीं तक की पूरी शिक्षा वहीं हुई है इसलिए यह स्कूल आने पर उन्हें अपनापन लगता है रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यालय की ओर से जेल भ्रमण पर जाने की यादें भी उन्होंने विद्यार्थियों के साथ साझा कीं उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कानून की जानकारी केवल न्यायालय अथवा मुकदमे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को कानून से जुड़े सवाल पूछने और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वाति श्रीवास्तव ने दी उपयोगी जानकारी

कार्यक्रम में तहसील विधिक सेवा समिति की ओर से स्वाती श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने न्यायाधीश सतीश शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी की सराहना की।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है। यदि उनके मन में कानून से संबंधित कोई सवाल या शंका है तो वे न्यायिक अधिकारी से पूछकर उसका समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा एवं यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के लिए 'शी-बॉक्स पोर्टल' की जानकारी भी दी तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। यह पोर्टल कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण और निगरानी के लिए केंद्र सरकार की ऑनलाइन व्यवस्था है।

प्राचार्य मयंक मिश्रा ने जताया आभार

कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्राचार्य मयंक मिश्रा ने विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों एवं करियर संबंधी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देने के लिए न्यायाधीश सतीश शर्मा का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने तहसील विधिक सेवा समिति के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

बिरसा ब्लॉक के बच्चों की मौत को लेकर आज आदिवासी समाज द्वारा प्रदर्शन कार्यक्रम

राष्ट्रपति एवं प्रदेश सरकार के नाम सौपेंगे ज्ञापन..

जगप्रेरणा लांजी।
बैगा समाज के दूरस्थ अंचलों में 24 मासूम बच्चों की मौत के मामले को लेकर आदिवासी समाज लांजी ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन की ओर से बच्चों की मौत की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। इसी क्रम में 27 अगस्त को कैंडल मार्च निकाला जाएगा और राष्ट्रपति तथा मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

संगठन के अनुसार बैगा बाहुल्य दूरस्थ क्षेत्रों में बच्चों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा, टीकाकरण, मलेरिया से बचाव, पोषण, डॉक्टर और एंबुलेंस जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध नहीं हो सकीं। इसी के चलते 24 मासूम बच्चों की मौत का मामला सामने आया है। आदिवासी समाज ने पूरे मामले की जांच कर मौत के कारणों और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। लांजी और आसपास का क्षेत्र आदिवासी बहुल है। यहां सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष में भी आदिवासी समाज से आने वाले जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी है। वहीं विभिन्न शासकीय विभागों में भी आदिवासी समाज से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी पदस्थ हैं। इसके बावजूद बैगा समाज के दूरस्थ इलाकों में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर संगठन ने चिंता जताई है। आदिवासी समाज का कहना है कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और जरूरत के अनुसार चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आदिवासी समाज लांजी की ओर से महामहिम राष्ट्रपति एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम लांजी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में 24 बच्चों की मौत की निष्पक्ष जांच, स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही एवं भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी जाएगी।

दिवंगत मासूम बच्चों की स्मृति में 27 अगस्त को दोपहर 3 बजे गोंडवाना सामुदायिक भवन, लांजी से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कैंडल मार्च के माध्यम से दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि दी जाएगी और उनके परिवारों के लिए न्याय की मांग रखी जाएगी। आयोजक आदिवासी समाज लांजी ने क्षेत्र के लोगों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। संगठन ने इसे दिवंगत बच्चों की स्मृति और उनके लिए न्याय की मांग को लेकर आयोजित कार्यक्रम बताया है।

एसआइ की बेटी निशु जायसवाल खेल अधिकारी पद में चयनित..

जगप्रेरणा सिवनी।
अपनी कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से जिले के कुरई थाना क्षेत्र में पदस्थ एसआइ अजय कुमार जायसवाल की बेटी निशु जायसवाल का खेल अधिकारी के पद पर हुआ है। निशु की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ पुलिस विभाग हर्ष है।

मूलतः छिंदवाड़ा निवासी जायसवाल वर्तमान में कुरई पुलिस थाना में उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) के पद पर पदस्थ हैं। निशु जायसवाल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 से प्राप्त की है। बचपन से ही खेलों के प्रति उनका विशेष लगाव रहा है। लक्ष्य पर केंद्रित रहते हुए निशु ने जून 2025 में आयोजित मध्य प्रदेश खेल अधिकारी की कठिन परीक्षा में हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

रामपायली में गूंजा ईद मिलादुन्नबी का पैगाम, मुस्लिम समाज के भव्य जुलूस के साथ दिखी कौमी एकता की मिसाल

जगप्रेरणा रामपायली।
पूरी दुनिया को इंसानियत, भाईचारे, मोहब्बत, अमन और मानवता का संदेश देने वाले पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की पैदाइश के मुबारक अवसर पर ईद मिलादुन्नबी का पर्व रामपायली नगरी में श्रद्धा, उत्साह और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर मुस्लिम अनुयायियों द्वारा भव्य जुलूस निकालकर ईद मिलादुन्नबी के संदेश को नगर के प्रमुख मार्गों तक पहुंचाया गया।

ईद मिलादुन्नबी मुस्लिम समाज का महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। इस दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की सीरत, उनके बताए इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे, अमन और शांति के रास्ते को याद किया जाता है। इसी भावना के साथ रामपायली में निकले जुलूस ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश भी दिया।

स्थानीय जामा मस्जिद से निकला जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ विभिन्न चौक-चौराहों तक पहुंचा। जुलूस में इस्लामी झंडों के साथ देशभक्ति और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने वाले राष्ट्रीय ध्वज भी नजर आए।

मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के चौक-चौराहों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जुलूस में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और उनके मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

जुलूस में समाजजनों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। पंचम कुशाइश के साथ निकाला गया यह जुलूस पुनः जामा मस्जिद पहुंचा, जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद मिलादुन्नबी की बधाई दी। इस दौरान धार्मिक तकरीर के माध्यम से पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की सीरत और उनके द्वारा बताए गए इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे एवं अमन-चैन के रास्ते पर चलने का संदेश दिया गया। देश में शांति, खुशहाली और आपसी सद्भाव के लिए सामूहिक दुआ भी की गई।

बौद्ध समाज ने पेश की भाईचारे की अनूठी मिसाल..

ईद मिलादुन्नबी के जुलूस की वापसी के दौरान रामपायली में कौमी एकता और सामाजिक सौहार्द की एक सुंदर तस्वीर देखने को मिली। दी बुद्धिस्ट सोसायटी ग्राम शाखा रामपायली द्वारा नगर के शहीद भगत सिंह चौक पर जुलूस की अगुआई करते हुए मुस्लिम समाज के लोगों का स्वागत किया गया। सोसायटी की ओर से जुलूस में शामिल लोगों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

इस आत्मीय स्वागत ने रामपायली की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे को और मजबूत किया। अलग-अलग धर्मों के लोगों द्वारा एक-दूसरे के पर्व और खुशियों में सहभागी बनना निश्चित रूप से समाज में प्रेम, और एकता का सकारात्मक संदेश देता है।

वहीं प्रमुख चौक-चौराहे पर हिंदू भाइयों द्वारा भी मुस्लिम समाज के लोगों से गले मिलकर पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान चार चांद लगाकर कौमी एकता की मिसाल पेश की गई।

ईद मिलादुन्नबी के इस अवसर ने यह संदेश दिया कि धार्मिक पर्व केवल आस्था और परंपरा तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज को प्रेम, मानवता और भाईचारे से जोड़ने का माध्यम भी बन सकते हैं। रामपायली में मुस्लिम समाज का भव्य जुलूस और बौद्ध समाज सहित अन्य समुदायों द्वारा किया गया आत्मीय स्वागत ÷धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन इंसानियत और भाईचारा सबको जोड़ता है÷ का जीवंत संदेश देता नजर आया। रामपायली में मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का यह पर्व धार्मिक उल्लास के साथ-साथ अमन, शांति, मोहब्बत, इंसानियत और कौमी एकता की मजबूत मिसाल बनकर सामने आया।

13 दिनों की तलाश के बाद मुंबई में मिला अभय, सकुशल घर लौटा..

मुंबई रेलवे स्टेशन के आसपास मिला नाबालिग, वारासिवनी पुलिस और परिजन पहुंचे थे लेने; अब न्यायालय में दर्ज होगा बयान सकुशल वापसी से गांव में खुशी की लहर

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

करीब 13 दिनों से लापता अभय की तलाश आखिरकार मुंबई में पूरी हुई। मुंबई में उसके मिलने की सूचना सामने आते ही चिंतित परिजनों की उम्मीदें फिर से जाग उठीं। इसके बाद उसे वापस लाने के प्रयास शुरू हुए और अब अभय सकुशल अपने घर लौट चुका है।

मंगलवार रात करीब 9:30 बजे उसके घर पहुंचने पर परिवार ने राहत की सांस ली अभय के सकुशल लौटने की खबर मिलते ही पूरे गांव में खुशी का माहौल बन गया।

अभय के अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी। जब काफी प्रयासों के बाद भी उसका पता नहीं चला तो परिजनों की शिकायत पर वारासिवनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए संभावित स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और अभय से जुड़े सुराग जुटाने का प्रयास किया। दूसरी ओर परिजन भी वारासिवनी के साथ अन्य संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन करते रहे।

कई दिनों की तलाश और इंतजार के बीच 23 अगस्त को अभय के मुंबई में मिलने की जानकारी सामने आई। बताया गया कि वह मुंबई रेलवे स्टेशन के आसपास मिला। जानकारी मिलने के बाद उसे वापस लाने के लिए वारासिवनी पुलिस और परिजन मुंबई पहुंचे। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद अभय को लेकर वापसी की गई।

वापसी के दौरान 25 अगस्त को दोपहर करीब नागपुर होते हुए रात करीब 9:30 बजे अभय को सकुशल उसके गांव पहुंचाया गया। लंबे समय से जिस खबर का परिवार इंतजार कर रहा था, वह आखिरकार राहत की खबर बनकर सामने आई।

जग प्रेरणा से चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत बोदलकशा के सरपंच धूरनलाल जैतवार ने बताया कि अभय सकुशल अपने घर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि उसके मिलने के बाद परिवार ने राहत की सांस ली है। सरपंच के अनुसार पुलिस से हुई बातचीत में यह जानकारी मिली है कि मामले में आगे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस से फोन पर चर्चा के दौरान जानकारी मिली की अभय को आगामी एक-दो दिनों में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जहां उसके बयान दर्ज कराए जाएंगे। उसके बयान के बाद उसके लापता होने से लेकर मुंबई पहुंचने तक के घटनाक्रम से जुड़े कई तथ्यों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

अभय के सकुशल वापस लौटने के बाद फिलहाल परिवार की सबसे बड़ी चिंता दूर हो गई है। अब सबकी निगाहें उसके बयान और पुलिस की आगामी कार्रवाई पर हैं, जिससे इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े शेष सवालों के जवाब सामने आने की उम्मीद है।अभय के सकुशल लौटने की खबर मिलते ही पूरे गांव में खुशी और राहत का माहौल बन गया।

घटना से संदेश

इस घटना से अभिभावकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश सामने आता है। माता-पिता बच्चों से नियमित संवाद रखें, उनकी रुचियों और परेशानियों को समझें तथा ऐसा माहौल बनाएं कि बच्चे अपनी हर समस्या परिवार के साथ खुलकर साझा कर सकें। बच्चों को भी किसी परेशानी में अकेले कोई बड़ा कदम उठाने के बजाय माता-पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए।

॥ श्री जीणमाता की जय ॥ ॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

वनांचल के बच्चों के सपनों को मिली उड़ान, देवेन्द्र ऐडे ने बांटी शैक्षणिक सामग्री

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

शिक्षा के रास्ते में संसाधनों की कमी किसी बच्चे के सपनों में बाधा न बने, इसी उद्देश्य के साथ लिंगा निवासी युवा समाजसेवी देवेन्द्र ऐडे वनांचल क्षेत्र के बच्चों के बीच पहुंचे। परसवाड़ा विकासखंड के कुमादेही के समीप स्थित वनांचल ग्राम खापा मालखेड़ी की

शासकीय प्राथमिक शाला पहुंचकर उन्होंने बच्चों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई एवं जरूरतों की जानकारी ली। इस दौरान देवेन्द्र ऐडे ने जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, किताबें, कॉपियां, पेन, पेंसिल सहित अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की। सामग्री पाकर नन्हे-मुन्नों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

देवेन्द्र ऐडे ने कहा कि ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में अनेक प्रतिभावान बच्चे संसाधनों के अभाव में पढ़ाई में कठिनाइयों का सामना करते हैं। ऐसे जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए समाज के सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए। किसी बच्चे के हाथ में किताब और स्कूल बैग देना महज सामग्री का वितरण नहीं, बल्कि उसके सपनों को उड़ान देने की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो। बच्चों की शिक्षा को लेकर किए जा रहे ऐसे छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े बदलाव की नींव बन सकते हैं। देवेन्द्र ऐडे की इस पहल की विद्यालय के शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने सराहना की। ग्रामीणों ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं को समझना और सहयोग करना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ने के साथ ही समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है।

इस अवसर पर भाजपा एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष गणेश वांडरे, संदीप सोनी, गजेंद्र शर्राटे, कमलेश राहंगडाले, अंकित राहंगडाले सहित विद्यालय के शिक्षक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

टेड़वा में शिक्षित,समृद्ध गांव और परिवार निर्माण के साथ अखंड रामायण पाठ संपन्न

जगप्रेरणा लांजी।

अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम लांजी किरनापुर क्षेत्र में ग्राम टेडवा में शिवाजी चौक परिसर में स्थानीय नागरिकों के सहयोग से एवं ग्राम समितियो के द्वारा अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ़फाउंडेशन के सहयोग से में 25 अगस्त 2026 से शुभारभ एवं 26 अगस्त 2026 को विश्रांति हुआ। अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ के पावन आयोजन के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान, बच्चों की प्रतिभा विकास तथा नशा मुक्ति , पौधारोपण जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन के माध्यम से मानवता के सेवा कार्य किया गया।

प्लास्टिक जीव, जंतु, मानव के लिए खतरनाक

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करें, प्लास्टिक का प्रयोग कम करें तथा अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

गांव पौधारोपण, कन्या पूजा, हवन यज्ञ किया गया

गांव में प्रकृति के संरक्षण को लेकर संदेश के साथ बच्चों की तरह ही हम पेड़ पौधा का पालने की जिम्मेदारी गांव के लोगो ने किया ,और गांव गांव में घूम घूम का महिला मंडल समिति और स्थानीय नागरिकों समिति के साथ मिलकर पौधारोपण अभियान कार्यक्रम किया गया।

गांव 25 पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। हवन यज्ञ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ साथ ही नव कन्या पूजा अर्चना कर बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का उत्कृष्ट अभिनय किया

मानस पाठ कार्यक्रम समापन के पश्चात ग्रामणी क्षेत्रों के बच्चों द्वारा सुंदर प्रस्तुति अभिनय के साथ मंच पर सांस्कृतिक गतिविध कर उत्कृष्ट अभिनय किया। उक्त कार्यक्रम अभिनय के साथ शिक्षाप्रद संदेश कार्यक्रम के माध्यम से समाज में संदेश दिया।

अखंड श्री रामचरित मानस पाठ में सहयोग कर्ता ग्राम टेडवा

सम्मानीय सर्वश्री

कार्यक्रम में ग्राम टेडवा आदरणीय सभी सदस्य एवं ग्राम समिति के सभी सदस्यों एवं ग्राम के वरिष्ठ जन, युवा, महिला मंडल ने पूर्ण सहयोग मार्गदर्शन प्रदान किया। स्थानीय नागरिकों समिति के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

आज भीमोडी में अखण्ड पाठ शुभारभ

आज ग्राम भीमोडी में अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम का शुभारंभ सभी स्थानीय नागरिकों एवं ग्राम समितियो और निवासियों के सहयोग से 26 अगस्त 2026 को संगीत मय कार्यक्रम शुभारभ किया गया। और 27 अगस्त को अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ का विश्रांति के साथ स्वास्थ शिविर एवं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के महाप्रसाद के साथ संपन्न होगा आप सभी क्षेत्र वासियों से अनुरोध है कि पुण्य अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम में उपस्थित का आग्रह है।

शारदा महिला मंडल ने किया कांवड़ियों के लिए फलाहार वितरण..

जगप्रेरणा लांजी।

सावन मास के पावन अवसर पर शारदा महिला मंडल लांजी द्वारा कांवड़ियों एवं शिवभक्तों के लिए फलाहार एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ किया गया।

इस दौरान मंडल की महिलाओं ने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें फलाहार एवं प्रसाद वितरित किया। फलाहार वितरण कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कांवड़ियों और शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। महिला मंडल की सदस्याएं पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य में जुटी रहीं और श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक फलाहार उपलब्ध कराया।

प्रतिवर्ष करती है सेवा कार्य

शारदा महिला मंडल द्वारा सावन मास के दौरान प्रतिवर्ष कांवड़ियों एवं शिवभक्तों के लिए फलाहार वितरण का आयोजन किया जाता है। मंडल की सदस्यों ने कहा कि भगवान शिव की आराधना के साथ शिवभक्तों की सेवा करना भी पुण्य और सौभाग्य का कार्य है। इसी भावना से मंडल द्वारा हर वर्ष यह सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों की सेवा करना मंडल के लिए श्रद्धा और सौभाग्य का विषय है। फलाहार एवं प्रसाद वितरण के माध्यम से श्रद्धालुओं के प्रति सेवा, सहयोग और आत्मीयता का भाव प्रकट करने का प्रयास किया जाता है।

इनकी रही सहभागिता

कार्यक्रम में शारदा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती उषादेवी पाशिने, श्रीमती सुशीला दुग्गड़, अंजू पशीने, कल्पना पशीने, अधिवक्ता बबीता पशीने, नम्रता आसटकर, आराध्या आसटकर, भगवती कर्राहे, नव्या बिलगौर, किरण तिवारी, अनीता रामटेक्कर, अनीता अग्रवाल, अंजली रैंच, सरिता श्रीवास्तव, मीना बिलगौर, पद्मा शर्मा, उर्मिला अग्रवाल, उमा तिवारी, सुनीता रॉय, मंजू नारंग एवं शिखा गोस्वामी सहित मंडल की अन्य सदस्याओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शारदा महिला मंडल के इस सेवा कार्य की श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने सराहना की। फलाहार वितरण कार्यक्रम ने सावन मास की धार्मिक आस्था के साथ सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को भी मजबूत किया।

श्रीराम मंदिर के सामने कांवड़ियों का भव्य स्वागत, बोले बम के जयकारों से गूंजा परसवाड़ा

हर्ष पाण्डेय, जगप्रेरणा परसवाड़ा।

सावन के पवित्र माह के अंतिम सोमवार को परसवाड़ा में आस्था और सेवा का संगम देखने को मिला। शिव मंदिर चीनीटोला के जलकुंड से पवित्र जल लेकर सावरझोड़ी शिवधाम के लिए निकली बोल बम समिति की कांवड़ यात्रा सुबह करीब 11 बजे परसवाड़ा पहुंची। सैकड़ों शिवभक्तों की इस यात्रा के दौरान पूरा मार्ग बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा। नाचते-गाते और भोलेनाथ की भक्ति में झूमते कांवड़ियों का श्रीराम मंदिर प्रांगण के सामने वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पत्रकार संघ, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं ग्रामीणों ने स्वागत किया।

कांवड़ यात्रा चीनीटोला से जल लेकर परसवाड़ा, बिजाटोला, डोंगरिया कटंगा और कोसमी होते हुए सावरझोड़ी के शिव मंदिर पहुंची, जहां शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ को पवित्र जल अर्पित कर क्षेत्र, प्रदेश और देश की खुशहाली की मंगलकामना की।

तिलक लगाकर किया स्वागत, फलाहार भी कराया-

श्रीराम मंदिर दरबार प्रांगण मे परसवाडा विधायक मधु भगत, समाजसेवी रामेश्वर कटरे, जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल, जनपद सदस्य रामेश्वर धानेश्वर, प्रफुल्ल जैन, लारेश ब्रम्हे, लोकेश राहंगडाले, विधायक प्रतिनिधि सुधीर पटले, मनोज ब्रम्हे, नयन डहरवाल तथा पत्रकार संघ अध्यक्ष राकेश मिश्रा सहित पत्रकार साथियों एवं ग्रामीणों ने कांवड़ियों का तिलक लगाकर, श्रीफल भेंट कर और पुष्पमालाओं से स्वागत किया।

वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पत्रकार संघ परसवाड़ा के पत्रकार साथियों एवं सहयोगियों की ओर से कांवड़ियों के लिए फलाहार की व्यवस्था की गई। स्वागत के दौरान श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा।

विधायक ने सुनाया कांवड़ यात्रा का प्रसंग, कांवड़ियों संग चले-

विधायक मधु भगत ने कांवड़ यात्रा के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समुद्र मंथन के दौरान जब अमृत से पहले विष निकला और दुनिया उसकी गर्मी से जलने लगी, तो शिव ने विष को अपने कंठ मे धारण किया। लेकिन, इसे कंठ मे धारण करने के बाद वे विष की नकारात्मक ऊर्जा से पीड़ित होने लगे। त्रेता युग में, शिव के भक्त रावण ने कांवड़ का उपयोग करके गंगा का पवित्र जल लाया और इसे पूरा महादेव के सिर पर डाला दिया । इस प्रकार शिव को विष की नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिली, इसी से प्रेरित होकर कांवड़िए हर वर्ष सावन माह मे जल भरकर भगवान शिव की आराधना करते हुए भक्ति के माध्यम से प्रसन्न करने का कार्य आरम्भ हुआ। राम मंदिर के कार्यक्रम के बाद विधायक मधु भगत कांवड़ियों के साथ कुछ दूर तक कांवड़ लेकर चले। इस दौरान बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच कांवड़िए सावरझोड़ी के लिए रवाना हुए।

जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल ने कहा कि कांवड़ियों के स्वागत से पूरा परसवाड़ा भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर दिखाई दिया। कांवड़ियों के कुछ समय के सानिध्य से ही वातावरण भक्तिमय हो गया। उन्होंने पत्रकार संघ द्वारा किए जा रहे जनसेवा कार्य की सराहना की।

बोले- कांवड़ केवल जल नहीं, आस्था और संकल्प की यात्रा-

समाजसेवी रामेश्वर कटरे ने कहा कि सावन के अंतिम सोमवार पर शिवभक्त कांवड़ियों के बीच उपस्थित होना सौभाग्य की बात है। जिस श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह के साथ सैकड़ों कांवड़िए आगे बढ़ रहे हैं, वह पूरे परसवाड़ा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। कांवड़ यात्रा केवल जल लेकर चलने की यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, तपस्या, त्याग और संकल्प की यात्रा है।

उन्होंने कहा कि कांवड़िए अपने कंधों पर केवल जल नहीं, बल्कि भगवान शिव के प्रति श्रद्धा, परिवार की खुशहाली, समाज की समृद्धि और क्षेत्र की मंगलकामना लेकर चलते हैं। महादेव ने समुद्र मंथन से निकले विष को अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की। हमें भी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में फैली नकारात्मकता, वैमनस्य और भेदभाव को दूर कर प्रेम, भाईचारे और सेवा का मार्ग अपनाना चाहिए। यह यात्रा केवल सावरझोड़ी तक पहुंचने का संकल्प नहीं, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों को छोड़कर अच्छाई की ओर बढ़ने का संकल्प भी बने।

12 वर्षों से स्वागत की परंपरा-

पत्रकार संघ अध्यक्ष राकेश मिश्रा ने कहा कि वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पत्रकार संघ परसवाड़ा सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लगातार जनसेवा करता रहा है। उन्होंने बताया कि पत्रकार संघ द्वारा पिछले 12 वर्षों से शिवभक्त कांवड़ियों के स्वागत की परंपरा निभाई जा रही है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कांवड़ियों के स्वागत एवं फलाहार की व्यवस्था की गई और आगे भी यह सेवा जारी रहेगी।

बिजाटोला के हनुमान मंदिर के सामने भी ग्रामीणों ने कांवड़ियों का स्वागत कर फलाहार वितरित किया। बिजाटोला समिति में काशीराम हिरवाने, महेंद्र पटले, राकेश मिश्रा, संजय सोनी, शिवा हिरवाने, रोहित बर्वे सहित अन्य ग्रामीणों ने व्यवस्था संभाली।

कार्यक्रम के दौरान वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पत्रकार संघ परसवाड़ा अध्यक्ष राकेश मिश्रा, नरेंद्र (पप्पू) शरणागत, उमेश बिसेन सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। फलाहार कार्यक्रम के समापन के बाद बोल बम समिति के पदाधिकारियों ने आयोजनकर्ताओं का आभार जताया और कांवड़ यात्रा लेकर सावरझोड़ी की ओर रवाना हुए।

तेज रफ्तार बाइक बिजली पोल से टकराई ,तीन लोग घायल..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी-बालाघाट मार्ग पर बुधवार दोपहर करीब 1:45 बजे इटोरा चौक के आगे तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक क्रमांक एमपी 50 जेडसी 6740 का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया, वहीं बिजली का पोल भी क्षतिग्रस्त हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिलेश बोरकर पिता ज्योत प्रकाश बोरकर निवासी ग्राम दत्ता अपने दो अन्य साथियों के साथ बाइक से किरनापुर-दत्ता की ओर से लांजी स्थित कोटेश्वर मंदिर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। इटोरा चौक पार करने के बाद बालाघाट रोड पर पहुंचते ही बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा भिड़ी।

जोरदार टक्कर से मची अफरा-तफरी

बिजली के पोल से टकराते ही बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद की। दुर्घटना में बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बिजली का पोल भी टूट-फूटकर क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

प्रथम दृष्टया हादसे की वजह बाइक की तेज रफ्तार और चालक का वाहन से नियंत्रण खोना सामने आ रहा है। एक ही बाइक पर तीन लोगों के सवार होने से भी दुर्घटना का जोखिम बढ़ गया। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी को लेकर सवाल खड़े करता है। वाहन चालकों से अपील है कि वे निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और दोपहिया वाहन पर निर्धारित संख्या में ही सवारी बैठाएं, ताकि सड़क हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

पाकिस्तान अगले साल तीन से 11 अप्रैल तक दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पाकिस्तान छह साल के विलंब के बाद अगले साल तीन से 11 अप्रैल तक 14वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा। इन खेलों का आयोजन इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर में किया जाएगा।

दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद (एसएओसी) ने इस्लामाबाद में हाल में हुई बैठक में इस बहु खेल प्रतियोगिता की तारीखों और आयोजन स्थलों को मंजूरी दी। दक्षिण एशियाई खेलों का आयोजन मूल रूप से 2021 में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी समेत विभिन्न कारणों से इसे कई बार स्थगित किया गया। अगले साल मार्च में होने वाले खेलों की तारीखों को भी एक महीने आगे बढ़ाकर अप्रैल कर दिया गया। पाकिस्तान 2004 में इस्लामाबाद में क्षेत्रीय खेलों की मेजबानी करने के 23 साल बाद फिर इन खेलों की मेजबानी करेगा।

एसएओसी ने रविवार को इस्लामाबाद में अपनी कार्यकारी समिति की बैठक में यह फैसला किया। बैठक की अध्यक्षता पाकिस्तान ओलंपिक संघ (पीओए) के अध्यक्ष और दक्षिण एशियाई संस्था के प्रमुख आरिफ सईद ने की। बैठक में खेलों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर को आयोजन स्थलों के रूप में मंजूरी दी गई। बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने बैठक में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बाद में इस्लामाबाद में प्रस्तावित खेल स्थलों का निरीक्षण भी किया।

पीओए के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि भारत के प्रतिनिधि ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बैठक में हिस्सा लिया। हालांकि उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक संबंधों को देखते हुए अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि भारत इन खेलों के लिए अपना दल भेजेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि भारत के प्रतिनिधि का बैठक में शामिल होना और खेलों की तारीखों का समर्थन करना इस बात का सकारात्मक संकेत है कि भारत प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का इच्छुक है।

हालांकि बैठक में शामिल एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधि ने किसी भी स्तर पर भारत की भागीदारी का संकेत नहीं दिया और ना ही पुष्टि की। उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने हाल में इस्लामाबाद में हुए एक वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भी अपनी टीम नहीं भेजी थी। नयी दिल्ली में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) इस मामले में भारत सरकार की नीति का पालन करेगा। दक्षिण एशियाई खेलों में 28 खेलों की 346 पदक स्पर्धाएं होंगी और इनमें 3,200 से अधिक खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफखेलों के बजट को पहले ही मंजूरी दे चुके हैं और इसे अगले सप्ताह जारी किया जाएगा।

अजय देवगन की किस्मत बदलने वाले डायरेक्टर कुकू कोहली का निधन, भावुक एक्टर बोले- 'आपने बदला मेरी जिंदगी का रास्ता'..

डेस्क जगप्रेरणा।

हिन्दी सिनेमा जगत के जाने-माने निर्देशक और 'फूल और कांटे' जैसी सुपरहिट फिल्मों के मेकर्स कुकू कोहली का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मंगलवार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट के कारण उनका निधन हुआ।

कुकू कोहली के जाने से न सिर्फ उनका परिवार बल्कि पूरा बॉलीवुड शोक में डूबा है। उनके निधन की खबर से सबसे बड़ा झटका अभिनेता अजय देवगन को लगा है, जिन्हें कुकू कोहली ने ही फिल्म इंडस्ट्री में लॉन्च किया था। अपने मार्गदर्शक और मेंटॉर को खोने से दुखी अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश लिखकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है।

अजय देवगन का भावुक संदेश..

अपने करियर की नींव रखने वाले निर्देशक के अचानक चले जाने से अजय देवगन पूरी तरह से टूट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X** पर एक दिल छू लेने वाला नोट साझा करते हुए लिखा, 'कुछ लोग आपकी जिंदगी का रास्ता हमेशा के लिए बदल देते हैं। कुकू जी मेरे लिए उन खास लोगों में से एक थे। आपने मुझ पर जो विश्वास दिखाया, उसके लिए मैं जिंदगी भर आभारी रहूंगा। आपकी कमी हमेशा खलेगी, कुकू जी। ओम शांति।' अजय के इस संदेश से साफ जाहिर होता है कि कुकू कोहली का उनकी जिंदगी और करियर में कितना महत्वपूर्ण योगदान था।

'फूल और कांटे' से बदला अजय देवगन का भाग्य..

कुकू कोहली और अजय देवगन के पेशेवर और व्यक्तिगत रिश्ते की शुरुआत साल 1991 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'फूल और कांटे' से हुई थी। इसी फिल्म के जरिए कुकू कोहली ने अजय देवगन को बॉलीवुड में डेब्यू कराया था। यह एक्शन-रोमांस फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसने अजय देवगन की किस्मत रातों-रात बदल दी। फिल्म में दो चलती मोटरसाइकिलों पर पैर रखकर की गई अजय देवगन की मशहूर एंट्री आज भी हिन्दी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित और यादगार डेब्यू सीन्स में गिनी जाती है।

राज कपूर के साथ काम से लेकर ब्लॉकबस्टर निर्देशन तक का सफर..

कुकू कोहली का फिल्मी सफर काफी प्रेरणादायक रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत महान फिल्मकार राज कपूर के साथ काम करके की थी। इसके बाद, उन्होंने सनी देओल और अमृता सिंह की डेब्यू फिल्म 'बेताब' में सेकेंड यूनिट डायरेक्टर के तौर पर अपनी सेवाएं दीं। अपनी निर्देशन क्षमता को साबित करने के बाद उन्होंने 'फूल और कांटे' से मुख्य निर्देशक के रूप में शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने अजय देवगन, अक्षय कुमार, करिश्मा कपूर और नगमा स्टारर फिल्म 'सुहाग' बनाई, जिसने सिनेमाघरों में गोल्डन जुबली मनाई थी। उन्होंने 'हकीकत', 'कोहराम', 'बादशाह' और 'हलचल' जैसी कई हिट और यादगार फिल्मों का निर्देशन भी किया।

निजी जिंदगी और परिवार में शोक की लहर..

1990 के दशक से लेकर 2000 के शुरुआती दौर तक अपनी एक्शन, ड्रामा और संगीत से भरपूर फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले कुकू कोहली अपने पीछे पत्नी और बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी और अपनी पहली शादी से दो बेटियों को छोड़ गए हैं। स्वास्थ्य बिगड़ने और दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद से ही पूरी फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसे दूरदर्शी निर्देशक को याद कर रही है, जिसने न सिर्फ बेहतरीन फिल्में दीं, बल्कि कई बड़े कलाकारों के करियर को सही दिशा भी दी।

पहले वैभव सूर्यवंशी और अब यशस्वी जायसवाल, संजय मांजरेकर ने क्यों की आईसीसी और बीसीसीआई से कम्प्लेन..

डेस्क जगप्रेरणा।

संजय मांजरेकर एक बार फिर से चर्चा हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच टीम इंडिया जीत चुकी है और दूसरा मैच इस वक्त कोलंबो में जारी है।

इस सीरीज के दौरान संजय सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के लिए क्रिकेट कमेंट्री कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने यशस्वी जायसवाल को लेकर आईसीसी और बीसीसीआई से कम्प्लेन की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी है। जो इस वक्त सुर्खियों में आ गई है।

यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो के बीच हुई थी दूसरे टेस्ट के दौरान कहासुनी..

दरअसल भारत बनाम श्रीलंका दूसरे टेस्ट के दौरान भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के असिथा फर्नांडो आमने सामने आ गए थे। यशस्वी जायसवाल को आउट करने के बाद असिथा ने कुछ कमेंट किया। इस पर जायसवाल उनके पास गए और कहासुनी हो गई थी। हालांकि अंपायर ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को अलग किया। इसके बाद अगले ही दिन आईसीसी ने एक्शन भी लिया। इस पूरे प्रकरण को आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। इसके बाद दोनों पर कार्रवाई की। उन पर मैच फीस का 25 परसेंट जुर्माना लगाया गया। साथ ही उन्हें एक-एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। हालांकि दोनों ने अपनी गलती मान ली, इसलिए आगे मामला नहीं चलेगा। इसी बात को लेकर संजय मांजरेकर नाराज नजर आ रहे हैं।

संजय मांजरेकर ने आईसीसी और बीसीसीआई को टैग कर की सोशल मीडिया पर पोस्ट..

संजय ने आईसीसी और बीसीसीआई को टैग करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है कि हाल ही में इंडिया ए के लिए वैभव सूर्यवंशी और अब यशस्वी जायसवाल।

अगर आप उन्हें ऐसे बर्ताव से बचते रहेंगे तो आप उन्हें ऐसा बर्ताव दोहराने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। यह खेल के लिए और सबसे जरूरी उनके अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। यानी जो सजा आईसीसी ने दी है, उसे संजय शायद पर्याप्त नहीं मान रहे हैं। साथ ही बीसीसीआई ने सजा की बात तो दूर की है, चेतावनी तक नहीं दी है।

अब तक इस सीरीज में नहीं चला है जायसवाल का बैट..

इस बीच अभी तक यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस श्रीलंका सीरीज के दौरान बिल्कुल नहीं चला है। हां, वे झगड़े के लिए जरूर तैयार से नजर आते हैं। गॉल में खेले गए सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में जायसवाल ने 32 रन बनाए और दूसरी पारी में बिना खाता खोले शून्य पर आउट हो गए। दूसरे मैच की पहली पारी में वे केवल 45 रन बनाकर चलते बने। फिलहाल संजय का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं।

लापता बेटी की खोज में 'गांधारी' बनी मां, खूनी इंतकाम वाली एक्शन थ्रिलर का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज..

डेस्क जगप्रेरणा।

अभिनेत्री तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर दर्शकों को एक मां की भावनात्मक, दर्दनाक और एक्शन से भरपूर यात्रा की झलक दिखाता है। इस फिल्म में तापसी पन्नू 'बानी' नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं,

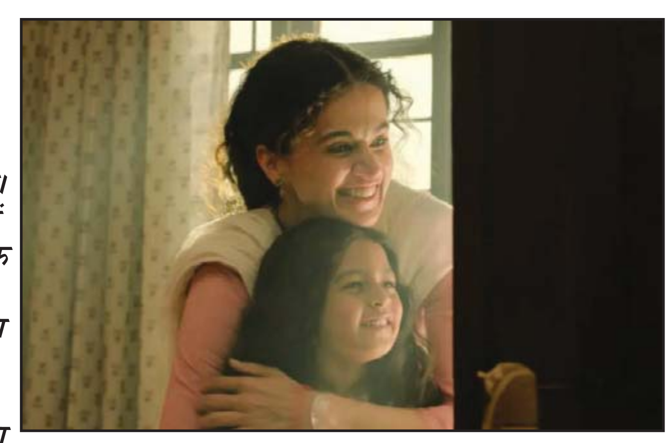

जिसकी छोटी बेटी अचानक लापता हो जाती है और उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। नेटफ्लिक्स के अनुसार यह एक ऐसी मां की कहानी है जो अपहरण की घटना में न केवल अपनी मासूम बेटी को खो देती है, बल्कि अपनी आंखों की रोशनी भी गंवा बैठती है। इसके बाद वह खुद ही कानून और न्याय को अपने हाथों में लेने का फैसला करती है।

अंधेरे से जंग और न्याय की अनोखी लड़ाई..

फिल्म का ट्रेलर उन सभी हदों को रेखांकित करता है, जिन्हें पार करने के लिए एक मां अपनी औलाद को वापस पाने के लिए तैयार रहती है। एक बेहद प्रभावशाली दृश्य में बानी अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी खोज जारी रखती नजर आती है। यह दृश्य स्पष्ट करता है कि फिल्म में मुख्य किरदार को न केवल शारीरिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, बल्कि वह मानसिक और भावनात्मक कठिनाइयों से भी जूझती है। 'जॉयपुरा' नाम के काल्पनिक शहर की पृष्ठभूमि पर बनी यह कहानी बानी के संघर्ष को दर्शाती है, जहां वह अपनी लापता बेटी को ढूंढते हुए एक खतरनाक और हिंसक दुनिया से टकराती है।

बदले की आग और भावनात्मक गहराई..

हालांकि ट्रेलर में कहानी के मुख्य मोड़ों को गुप्त रखा गया है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि इस पूरी यात्रा में प्रतिशोध और बदले की भावना एक मुख्य कड़ी है।

जैसे-जैसे बानी अपनी बच्ची के करीब पहुंचती है, उसे ऐसे लोगों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जो उसे एक खतरनाक जंग में धकेल देते हैं। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ एक मां के दिल की वेदना, लाचारी और अटूट इच्छाशक्ति के संतुलन को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है।

दमदार स्टारकास्ट और पुरानी हिट जोड़ी की वापसी..

ल्मि 'गांधारी' में तापसी पन्नू के अलावा कई बेहतरीन कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसमें इशवाक सिंह, छाया कदम, स्वास्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और जतिन सरना जैसे नामचीन कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म के जरिए तापसी पन्नू और प्रख्यात लेखिका-निर्मात्री कनिका ढिल्लों की जोड़ी एक बार फिर साथ आई है। इससे पहले यह जोड़ी 'हसीन दिलरुबा' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' जैसी सफल फिल्मों में एक साथ काम कर चुकी है।

देवाशीष मखीजा का निर्देशन और ओटीटी रिलीज डेट..

इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण का जिम्मा कनिका ढिल्लों ने संभाला है। नेटफ्लिक्स ने इसे एक अत्यधिक भावनात्मक और एक्शन से भरपूर फिल्म करार दिया है, जो तापसी पन्नू के करियर की सबसे कठिन शारीरिक भूमिकाओं में से एक मानी जा रही है।

हाल ही में फिल्म पर कहानी चोरी के आरोप भी लगे थे, लेकिन प्रोडक्शन हाउस 'कथा पिक्चर्स' ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि 'गांधारी' एक पूरी तरह से मूल कहानी है। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। दर्शक 3 सितंबर 2026 से इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर सकेंगे।

कृति सेनन के रक्षाबंधन लुक पर मचा बवाल, विवाद बढ़ते ही कंपनी ने विज्ञापन हटाया..

डेस्क जगप्रेरणा।

ज्वेलरी ब्रांड **GIVA** ने रक्षाबंधन के अवसर पर जारी अपने हालिया विज्ञापन अभियान को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को लेकर बनाया गया यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर उनके पहनावे को लेकर उठी तीखी आपत्तियों के बाद विवादों में आ गया था।

विवाद के तूल पकड़ने और चौतरफा आलोचनाओं के बाद कंपनी ने आखिरकार इस व्यावसायिक प्रचार को वापस लेने का निर्णय लिया।

कपड़ों पर विवाद और सोशल मीडिया का विरोध..

इस प्रचार अभियान में कृति सेनन पारंपरिक त्योहार रक्षाबंधन मनाते हुए एक ब्रालेट-शैली के ब्लाउज, ड्रेप्ड स्कर्ट और केप में नजर आई थीं। विज्ञापन के सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस तरह के पारंपरिक और पवित्र त्योहार के अवसर पर इस तरह के परिधान को अनुपयुक्त बताते हुए सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई लोगों का तर्क था कि इस सांस्कृतिक उत्सव के लिए अधिक शालीन और पारंपरिक पोशाक का चुनाव किया जाना चाहिए था।

कंगना रनौत की टिप्पणी और कृति का जवाब..

मामला उस समय और ज्यादा गरमा गया जब अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कंगना ने कृति सेनन के परिधान पर निशाना साधते हुए राखी जैसे पावन अवसर पर उनके पहनावे की तुलना 'बिकिनी' से कर दी। हालांकि इस आलोचना के बीच कृति सेनन ने भी अपने परिधान के चयन का बचाव करते हुए सवाल उठाने वालों को जवाब दिया था। राहुल गांधी भी एक्ट्रेस के बचाव में आ गए थे और उन्होंने कहा था कि महिलाओं को क्या पहनना है और क्या नहीं, ये वो खुद तय कर सकती हैं और ये उनका अधिकार है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर यह बहस कम होने के बजाय और अधिक तेज हो गई।

ब्रांड की सफाई और विज्ञापन वापस लेने का फैसला..

विवाद को बढ़ता देख 'जीवा' ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक औपचारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की। ब्रांड ने बताया कि उनका यह अभियान रक्षाबंधन के प्यार और उत्सव के दायरे को परिवार के पालतू जानवरों तक विस्तारित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका मकसद किसी भी व्यक्ति या वर्ग की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना बिल्कुल नहीं था। अपने बयान में ब्रांड ने भारतीय संस्कृति, रीति-रिवाजों और त्योहारों के प्रति अपनी गहरी निष्ठा व्यक्त की। जीवा ने कहा कि वे हमेशा से परिवार के साथ मिलकर खुशियां बांटने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि यदि अनजाने में इस विज्ञापन से समाज के किसी भी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं तो वे इसका सम्मान करते हुए विज्ञापन को सभी प्लेटफॉर्म्स से पूरी तरह से वापस ले रहे हैं। इसके साथ ही कंपनी ने सभी को त्योहार की शुभकामनाएं और सकारात्मकता का संदेश दिया। इस प्रकार, अभिनेत्री के परिधान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद विज्ञापन के हटने के साथ समाप्त हुआ।

अमेरिकी ओपन में सेरेना और वीनस विलियम्स फिर साथ खेलेंगी युगल मुकाबला..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

सेरेना और वीनस विलियम्स एक बार फिर साथ में टेनिस कोर्ट पर उतरेंगी और दोनों बहनें अमेरिकी ओपन में युगल मुकाबला खेलेंगी। दोनों को बुधवार को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला है। वे इससे पहले दो बार अमेरिकी ओपन का युगल खिताब जीत चुकी हैं।

सेरेना विलियम्स ने चार साल के ब्रेक के बाद इन गर्मियों में टेनिस में वापसी की है। दोनों बहनों को विम्बलडन में भी साथ खेलना था, लेकिन सेरेना को एकल मैच में घुटने में चोट लग गई जिसके कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा। इसके बाद दोनों सिनसिनाटी ओपन में साथ में खेलीं लेकिन पहले ही दौर में हार गईं।

विलियम्स बहनों ने 1999 और 2009 में अमेरिकी ओपन का युगल खिताब जीता था। अमेरकी ओपन में उनकी कुल जीत-हार का रिकॉर्ड 27-7 है। सेरेना (44 वर्ष) मंगलवार को कार्लोस अल्कराज के साथ मिश्रित युगल भी खेला।

उन्होंने एक मैच जीता, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हार गईं। वीनस (46 वर्ष) अमेरिकी ओपन के महिला एकल मुकाबले में भी हिस्सा लेंगी।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा साहित्य अभिव्यक्ति

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् से विरोध कैसा?..

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में 'वंदे मातरम्' हर धर्म, जाति और वर्ग के भारतीयों के लिए राष्ट्रीय चेतना, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक रहा है।इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सभी धर्मों के भारतीयों में राष्ट्रभक्ति और स्वाधीनता की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के लिए यह मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता की आकांक्षा का स्वर था।

24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि 'जन गण मन' भारत का राष्ट्रगान होगा और 'वंदे मातरम्' को भी राष्ट्रगान के समान सम्मान दिया जाएगा। इस प्रकार 'वंदे मातरम्' स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संघर्ष की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

2026 में 'वंदे मातरम्' को लेकर एक महत्वपूर्ण नया अध्याय जुड़ा है। गृह मंत्रालय के 28 जनवरी 2026 के दिशानिर्देश के अनुसार छह पदों वाले 'वंदे मातरम्' के पूर्ण संस्करण को आधिकारिक प्रोटोकॉल में स्थान दिया गया। इसके बाद आकाशवाणी ने 26 मार्च 2026 से छह पदों वाले पूर्ण संस्करण का प्रसारण प्रारंभ किया। यह परिवर्तन केवल गीत के अधिक व्यापक स्वरूप को सामने लाने वाला कदम नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की इस ऐतिहासिक धरोहर को उसके मूल स्वरूप में समझने और सम्मान देने का अवसर भी है।

इसी वर्ष 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026' के माध्यम से 'वंदे मातरम्' को भी राष्ट्रीय सम्मान से संबंधित वैधानिक संरक्षण प्रदान किया गया। जानबूझकर राष्ट्रगीत के गायन को रोकना अथवा उसके प्रदर्शन में व्यवधान उत्पन्न करना अब कानून के दायरे में आता है। इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि 2026 में 'वंदे मातरम्' के सम्मान और उसके पूर्ण संस्करण के आधिकारिक प्रयोग को लेकर कानूनी एवं प्रोटोकॉल संबंधी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

सही अर्थ और निष्पक्ष भाव से विचार किया जाए तो 'वंदे मातरम्' किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है और न ही किसी एक विचारधारा का निजी प्रतीक। यह भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की सामूहिक स्मृति का हिस्सा है तथा मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता, समर्पण और सम्मान व्यक्त करने का ऐतिहासिक माध्यम है।

लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरि है वहीं व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी व्यक्तिगत आस्था का सम्मान लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना है। साथ ही राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय विरासत के प्रति सम्मान भी नागरिक दायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। असहमति का अधिकार लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों को अनावश्यक राजनीतिक टकराव का विषय बनाना सामाजिक समरसता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता।

'वंदे मातरम्' का अर्थ मातृभूमि के प्रति वंदन और सम्मान की भावना से जुड़ा है। इसमें भारतभूमि को माता के रूप में देखने की भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि अभिव्यक्त होती है। इसलिए इसे केवल धार्मिक दृष्टि से देखना या किसी एक समुदाय से जोड़ना इसके ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व को सीमित करना होगा। राष्ट्रगीत का सम्मान किसी धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारधारा के प्रति निष्ठा की परीक्षा नहीं है, बल्कि उस स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति सम्मान है जिसमें असंख्य भारतीयों ने अपना जीवन समर्पित किया।

यह प्रश्न भी विचारणीय है कि हम राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक चश्मे से क्यों देखने लगते हैं? 'वंदे मातरम्' का सम्मान करने वाला व्यक्ति किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा का समर्थक है और उससे असहमति रखने वाला व्यक्ति राष्ट्रविरोधी–ऐसी सरलीकृत धारणाएं लोकतांत्रिक समाज के लिए उचित नहीं हैं। राष्ट्र और राष्ट्रीय विरासत किसी राजनीतिक दल या विचारधारा से कहीं बड़े हैं।

वास्तविक राष्ट्रभक्ति केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित नहीं होती। वह नागरिक कर्तव्यों के पालन, संविधान के सम्मान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, सामाजिक समरसता, कानून के पालन और देशहित को निजी स्वार्थ से ऊपर रखने में दिखाई देती है। 'वंदे मातरम्' का मूल भाव भी अंततः मातृभूमि के प्रति इसी समर्पण और कृतज्ञता की प्रेरणा देता है।

इसलिए 'वंदे मातरम्' को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय हमें उसके ऐतिहासिक संदर्भ और भावार्थ को समझना चाहिए। 2026 में पूर्ण छह-पद वाले संस्करण को आधिकारिक प्रोटोकॉल में स्थान मिलना और राष्ट्रगीत को वैधानिक संरक्षण प्राप्त होना इस बात को रेखांकित करता है कि 'वंदे मातरम्' की राष्ट्रीय गरिमा किसी दल या सरकार की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा राष्ट्रीय विरासत है।

जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में भारतीयों के भीतर स्वाधीनता की चेतना को स्वर दिया, उसके प्रति सम्मान व्यक्त करने में विरोध कैसा?आधा गाने पर सहमति और पूरा गाने पर आपत्ति का प्रश्न ही क्यों? जब वर्षों तक इस गीत को स्वतंत्रता आंदोलन में सभी धर्मों का सम्मान मिला तो अब आपत्ति कैसी? सभी भारतवासियों को यह समझना बेहद जरूरी है कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की स्मृति, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय चेतना का ऐतिहासिक स्वर है। इसकी गरिमा बनाए रखना भारत की साझा राष्ट्रीय विरासत के प्रति सम्मान है।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

शिव भोले देते वरदान..

सावन में जपते हैं शिव को,
करते हैं सब ही गुणगान।
आता जो भी द्वारे उसके,
शिव भोले देते वरदान।।

मंदिर–मंदिर भटक रहा है,
कर लो प्राणी शिव का ध्यान।
झूठी माया में उलझा है, खोता मानव अपना मान।।
अपने मन के भीतर देखो,
भोले शिव को लो अब जान।
आता जो भी द्वारे उसके, शिव भोले देते वरदान।।

कंठ नाग है सिर पर चंदा, जटा रहे गंगा बलवान।
वाम अंग की शोभा न्यारी, गौरा प्यारी का जयगान।।
रूप अनोखा भव्य–दिव्य है, नंदी है उनके दरबान।
आता जो भी द्वारे उसके, शिव भोले देते वरदान।।

सत्यं शिवम् सुंदरम शिव है,
सकल विश्व के है पहचान।
सारे जग के पालनहारे,
सबके ही हैं शिव भगवान।।
कैलाशी अविनाशी दाता,
आदि अंत सब
कुछ अनजान।
आता जो भी द्वारे उसके,
शिव भोले देते वरदान।।

सावन में जपते हैं शिव को,
करते है सब ही गुणगान।
आता जो भी द्वारे उसके,
शिव भोले देते वरदान।।

लेखिका

किंजल ईलेश मेहता, गोंदिया, महाराष्ट्र

चेकों का अनादरण (चेक बाउंस होना)..

आज व्यवसाय हो या व्यक्तिगत लेनदेन, चेक का इस्तेमाल होना सामान्य सी बात है। लेकिन आपका दिया गया एक चेक अगर बैंक से वापस (बाउंस) हो जाए, तो आपको क़ानूनी प्रक्रिया का सामना करना पढ़ सकता हैं, भारतीय कानून में इसे 'नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत एक गंभीर अपराध माना गया हैं।भारतीय कानून की नजर में केवल वास्तविक चेक ही मान्य और वैध है। अगर चेक जाली है, या धोखाधड़ी से लिया गया है, तो वह वैध नही होगा, भारतीय कानून यह मानता है कि चेक किसी वैध कर्ज या जिम्मेदारी को चुकाने के लिए ही दिया गया था, चेक तब बाउंस माना जाता है जब भुगतान पाने वाला व्यक्ति उसे भुगतान के लिए बैंक में जमा करता है और बैंक अपर्याप्त धनराशि के कारण उसे अवैतनिक लौटा देता है यदि आपको चेक बाउंस की शिकायत करनी हो तो केवल उसी उचित क्षेत्राधिकार वाली अदालत में करनी चाहिए, जहाँ आपका बैंक खाता है गलत अदालत में किया गया केस खारिज भी हो सकता है ।

व्यवसाय हो या व्यक्तिगत लेनदेन, चेक देते चेक व लेते समय आवश्यक महत्वपूर्ण बाते ध्यान रखने हेतु – खाते में पर्याप्त पैसे होने पर ही चेक जारी करें। हमेशा याद रखें कि किसी को भी ब्लैंक या सिक्योरिटी चेक देते समय लिखित समझौता अवश्य करें।यदि चेक बाउंस होता है, तो 30 दिन के भीतर नोटिस भेजने की समय सीमा को कभी न चूकें, अन्यथा आप कानूनी रूप से कमजोर हो जाएंगे।भारत में मौजूद क़ानून के तहत यदि चेक बैंक से बाउंस हो जाए और शिकायतकर्ता अदालत में आ गया हो, तो बाउंस चेक के लिए चेक के मूल्य के दोगुने तक का जुर्माना, दो साल तक का कारावास या दोनों हो सकते हैं। भारतीय कानून यह मानता है कि चेक बाउंस होना एक दंडनीय अपराध है। चेक बाउंस होने पर चेक प्राप्तकर्ता भुगतानकर्ता पर मुकदमा कर सकता है या इसके अतिरिक्त भुगतानकर्ता को तीन महीने के भीतर दोबारा चेक जारी करने को कह सकता है। भारत में बैंक चेक बाउंस होने पर जुर्माना भी लगाते हैं, जो बैंकों के अनुशार अलग-अलग होता है। किसी व्यक्ति द्वारा बैंक में रखे गए खाते से जारी किया गया चेक अपर्याप्त धनराशि के कारण या बैंक के साथ हुए समझौते से अधिक राशि होने के कारण अवैतनिक लौटा दिया जाता है, तो चेक जारीकर्ता को इस अपराध का दोषी माना जाएगा। यह परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत एक आपराधिक अपराध है। ऐसी स्थिति में चेक प्राप्तकर्ता एनआईए की धारा के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज करा सकता है,

चेक बाउंस होने के कारण हो सकते हैं –

यह की भुगतानकर्ता के बैंक खाते में चेक की राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं है या चेक पर मौजूद हस्ताक्षर बैंक के रिकॉर्ड में दर्ज हस्ताक्षर से मेल नहीं खाते हो, यदि चेक विकृत या क्षतिग्रस्त है, इसके अतिरिक्त चेक की राशि, जारीकर्ता के हस्ताक्षर या अन्य कोई भी कथन ओवरराइट कर दिया गया है व चेक पर लिखी खाता संख्याएँ मेल नहीं खातीं।

अधिवक्ता हिमांशु प्रकाश मुरकुटे

शब्दवर्गपहेली क्र.- 255

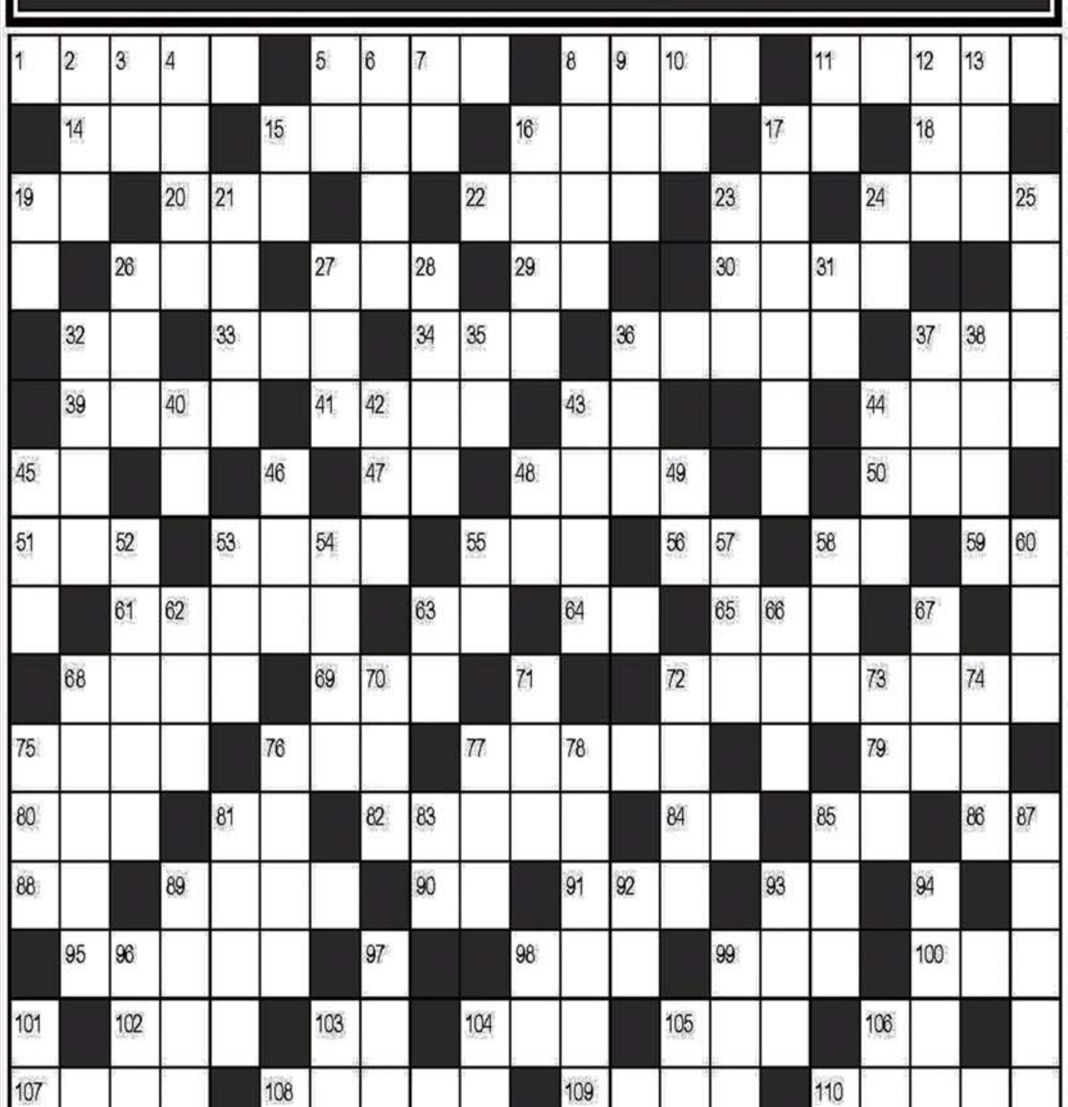

ck;i l nk;i & 1) दरबान 5) सीमा, आर पार 8) पुष्प केसर 11) वंचना, छलपूर्ण कार्य 14) रत्न 15) सुरक्षित 16) भारत का एक राज्य 17) गाढा पकाया हुआ गन्ने का रस जिसे खाद्यव्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। 18) नारा का बहुवचन 19) बायां 20) उजाड़ 22) लाचार 23) खुजली 24) अर्थ, आशय 26) रवि 27) लवण 29) रजनी 30) पचास और साठ के बीच का एक अंक 32) अधिकार 33) एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी 18) समान, तुल्य 34) संपूर्ण 36) अगर के लकड़ीसे बनी बत्ती 37) परात 39) कई लड़ोंका सूत जिसे कमर में पहना जाता है। एक जेवर 41) गायब 43) स्वर्ण, सुवर्ण 44) मां के पिता के पिता 46) फूलों का हार 47) विचार 48) नामांकित 50) अवस्था, दशा 51) तनातनी 53) गला 55) एक महाराष्ट्रीय कुलनाम,इस कुलनाम के शासकोंने महाराष्ट्र में राज्य किया था। 56) बिजली 58) मूल 59) गीला 61) जिम्मेदार 63) शिखा, शिखर 64) एक पुरातनकालीन वाहन 65) उष्णता 68) अपरिचित 69) एक मुगलवंशीय बादशाह 72) कृतघ्न 75) मजबुत 76) अंतर 77) कपोलकल्पित 79) यात्रा, प्रस्थान 80) रफूचक्कर, भागा हुआ 81) ग ग खाना, स्वभावतः वैर रखना 82) श्रीकृष्ण 84) पथिक 85) गंदगी 86) वह पेड़ जिसका हर भाग कड़वा होता हैं। 88) नवीन 89) मनुष्यता 90) सहमत 91) तुच्छ, नगण्य 93) सूंघने का इन्द्रिय 95) सेवा शुश्रुषा का काम 98) नौकर 99) कृत्रिम जलमार्ग 100) मांझी, केवट 102) प्रवाह (उर्दू) 103) महीना 104) जो अंदर न हो 105) नामवाला 106) समूचा 107) गिरीश नामवाले एक प्रसिद्ध नाट्यकर्मी व अभिनेता का कुलनाम 108) जलभरी कटोरियों पर आघात करके मधुर ध्वनि उत्पन्न करनेवाला एक वाद्य यंत्र 109) कोमलांगी 110) नियम, तथ्य, दृष्टांत

Åij l ulp& 2) जनानखाना 3)बालू 4) अत्यंत दानी 5) तुषार, वास्ता 6) नमस्कार का शब्द 7) वायू, वायूरोग 8) दृढ, बलवान 9) इकरार, वादा 10) लगा हुआ, अनुरक्त 11) धातु की लकड़ी 12) किसी खुले स्थान को घेरने के लिए लगाया हुआ मोटा कपड़ा 13) मुंबई का एक प्रमुख उपनगर 15) वर्ष 16) हमारे एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री का कुलनाम 17) जीवन निर्वाह 19) व्यवहार करने का संयोग, संबंध 21) राज्य का मुख्य एवं महत्वपूर्ण शहर 23) के लिये, वास्ते 24) आमीरखान, मनीषा की एक फिल्म 25) परिवर्तन करना 26) सूअर (संस्कृत) 27) नया 28) व्यायाम 31) छोटा पत्ता 32) अटक अटक कर बोलना 35) शरीर की ऊंचाई 36) धान्य 37) चलायमान, द्रव, चंचल 38) पुरातन काल से चला आया हुआ। 40) मजहब 42) आंचल 43) सप्ताह का एक वार 44) पर्वत 45) शोक 46) सरस्वती 48) विध्वंस 49) धोखा 52) भार, बोझ 53) स्व. प्रेमचंदजी का एक प्रसिद्ध उपन्यास,अमानत का अपने लाभ के लिए दुरुपयोग करना 54) राजसभा 55) सन्दूक 57) स्थान 58) भूमि 60) श्रीशंकरजी का एक नाम 62) हाट 63) तस्कर, शर्विलक 66) रसीला, सरस 67) सोने चांदी का व्यापारी 68) इंद्र की नगरी, इंद्रपुरी 70) अज 71) पति, प्रेमी 72) आपत्ती 73) खेती की उपज 74) मादा मोर 75) जमीन में किसी चीज के गाड़ने की क्रिया 76) एक अंग्रेजी महीना 77) इच्छा 78) गिनती करना 81) पुश्तैनी 83) पानी का बहाव 85) एक राशी 87) मन को हरनेवाला, श्रीकृष्ण 89) राजपुताने का एक भाग 92) वस्त्र 93) व्यर्थ 94) रास्ता भटका हुआ 96) पीटना 97) चैन, आराम 98) इच्छा 99) वंदन, नमस्कार 101) आकडा 103) सामान, सम्पत्ती 104) बगीचा 105) मां की मां 106) बिना मिलावट का, भोला,छल कपट रहित (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

गि	री	श	क	र्ना	ड	■	उ	षा	मं	गे	श	क	र	■	पा	नी	■	ख	ब	र
ल	त	■	सू	■	स	मी	प	■	द	■	रा	■	फू	ट	प	ड़	ना	■	ल	■
ह	■	प	र	ना	ना	■	हा	नि	■	मो	र	नी	■	■	ड़	■	प	क	वा	न
री	त	रि	वा	ज	■	ध	र	ती	■	ह	त	■	ख्वा	ब	■	■	ना	री	■	ज
■	ब	स	र	■	पै	र	■	श	क	ल	■	च	■	द	ला	ल	■	ब	गु	ला
स	■	र	■	त	■	म	हा	भा	र	त	■	म	का	न	मा	लि	क	■	र	■
वा	मा	■	आ	रा	■	क	ल	र	■	■	द	गा	बा	ज	■	त	ल	ब	गा	र
ल	ता	मं	गे	श	क	र	■	द्वा	रि	का	■	द	■	र	■	क	■	द	■	मे
ज	■	डी	■	ना	■	म	री	ज	■	ज	क	ड़	ना	■	बा	ला	■	ह	ता	श
वा	दा	■	स	■	सु	■	छ	■	क	ल	म	■	श	ही	द	■	प	वा	र	■
ब	ल	■	रा	स	आ	ना	■	र	मी	■	र	श्मि	■	न	■	त	र	स	ना	■
■	ची	र	फा	ड़	■	प	रा	ग	■	खा	क	■	खा	ता	खो	ल	ना	■	■	रा
क	नी	ज	■	क	प	■	हू	र	■	म	स	ल	ना	■	ज	वा	नी	■	■	स
या	■	क	फ	■	र	ग	■	ग	श	खा	ना	■	ब	या	■	र	■	मु	र	ली
म	त	■	रे	खा	ग	णि	त	■	रा	ह	■	मं	दो	द	री	■	क	र	ब	ला
त	र	की	ब	■	ना	का	म	या	ब	■	न	दी	श	■	म	द	द	गा	र	■

anumeya-08446302691

जैसी जनता वैसे नेता..

मैने पुछा-
आदरणीय नेताजी,
फुर्सत मे हो आज
बता ही दो राज,
कैसे आप बातों-बातों मे
जनता को घुमाते है
विकास के नाम पर
योजनाओं के नाम थमाते है,
झुठ तो आप भाषणों मे
खूब चलाते है
फिर भी लोग आपके नाम के
जयघोष लगाते है !
कोई न्युज चैनल अखबार
आपके खिलाफबकता नही,
भाषण और आश्वाषण मे
कोई आपके सामने टिकता
नही।
माईक पर आते ही
खूब देश भक्ति दिखाते हो,
पुलवामा आतंकी हमले पर
दुम दबाके छुप जाते हो।
अपनी सरकार को
गरीबी हितैषी बताते हो,
और गरीबी के नाम पर
गरीबों को हटाते हो।
जात-धरम के नाम पर
जनता यहां लड़ती है,
गुजरात हो या देश
आपके राज मे हिंसाएं बडती है।
प्रचार के नाम पर
आपका करोड़ों का खर्चा है,
जबकि हर भारतीय पर
50000 रूपये का कर्जा है।
नई करेंसी
आपके पार्टी के लोगो के पास
मिलती है,
आखिर कैसी ये देश मे
नोट बंदी चलती है।
पंद्रह लाख कालाधन का
कैसा फैका पांसा,
फंस गया आपके झांसे मे
देश अच्छा खासा।
नेताजी ने बोला-
अपना मुंह खोला
देश मे जो हो रहा है
उसमे जनता भी जिम्मेदार है,
पुछो अवाम से
वो कितनी वफादार है।
सौ बात की एक बात
बोलता हूं,
फिर मै विदेश चलता हूं।
चलते-चलते नेताजी का
ये जवाब आया-
जिसे सुन मै अकबकाया
पीट माथा दोष किसको
देता है,
जैसी जनता वैसा ही नेता है..।।

लेखक

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट
9753633830

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कॉकरोच, मियाद पूरी हो चुकी खाद्य सामग्री मिलने पर जेडब्ल्यू मैरियट, 'अंदाज' को एफएसएसएआई का नोटिस

नई दिल्ली, (भाषा)।

खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने दिल्ली के एयरोसिटी स्थित पांच सितारा (फाइव स्टार) होटल जे डब्ल्यू मैरियट और 'अंदाज दिल्ली' को निरीक्षण के दौरान गंभीर स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा संबंधी खामियां पाए जाने के बाद नोटिस जारी किए हैं।

एफएसएसएआई ने बुधवार को बताया कि दोनों होटल में निरीक्षण के दौरान कीड़े-मकोड़े पाए गए, खाद्य सामग्री के रखरखाव में लापरवाही सामने आई और कुछ स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति खराब थी।

जे डब्ल्यू मैरियट में निरीक्षण के दौरान कॉकरोच और फ्ल मक्खियां मिलीं। इसके अलावा सड़ी और फफूंद लगी खाद्य सामग्री, गंदे बर्तन और खाद्य पदार्थ रखने और तैयार करने वाली जगहों पर भी गंदगी पाई गई। खाद्य सामग्री को उचित तरीके से नहीं रखा गया था और एक-दूसरे के संपर्क में आने से खाद्य पदार्थों के दूषित होने का जोखिम था।

एफएसएसएआई के अनुसार, सेब पर फफूंद लगी थी और टमाटर सड़े हुए थे। कटी हुई सब्जियों तथा अन्य खाद्य पदार्थों को भी उचित तरीके से नहीं रखा गया था। शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग रखने, एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थों के प्रबंधन और कुछ रसोईघरों में निकासी प्रणाली को लेकर भी खामियां पाई गईं।

निरीक्षण में लाइसेंस, लेबल, तापमान नियंत्रण, साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की निगरानी और पेयजल के प्रबंधन से संबंधित कमियां भी सामने आईं।

एफएसएसएआई ने कहा कि पनीर, खोया, चना मसाला और मिर्च जैसी कुछ खाद्य सामग्री के लिए जरूरी लाइसेंस या संबंधित अनुमति उपलब्ध नहीं थी।

नियामक के मुताबिक, होटल में एफएसएसएआई लाइसेंस में आवश्यक अनुमति के बिना खुदरा बिक्री और दोबारा लेबल लगाने का काम भी किया जा रहा था। कुछ पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर गलत एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर और निर्माता का पूरा पता नहीं दिया गया था।

'अंदाज दिल्ली' में भी कई गंभीर खामियां मिलीं। निरीक्षण के दौरान 'फ्रीजर' के पास कॉकरोच, मक्खियां, ग्राइंडिंग रूम में मच्छर और मकड़ी के जाले पाए गए। बोतलबंद पानी तैयार करने वाले क्षेत्र में गुटखा का एक पैकेट भी मिला।

एफएसएसएआई ने बताया कि होटल में करीब 87 किलोग्राम ऐसी मिठाइयां मिलीं जिनके इस्तेमाल की अवधि समाप्त (एक्सपायर्ड) हो चुकी थी।

निरीक्षण में मियाद पूरी हो चुकी ब्रेड की पैकेजिंग पर नकली तारीख अंकित किए जाने, खाद्य पदार्थों के तापमान की पर्याप्त निगरानी नहीं होने, एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थों को उचित तरीके से अलग नहीं रखने और कचरा प्रबंधन में खामियां भी सामने आईं।

नियामक ने यह भी बताया कि होटल में तेज दुर्गंध थी और दो बाथरूम के बीच में शीत भंडारण कक्ष लगाए गए थे। इनसे निकलने वाली हवा की निकासी शीत भंडारण वाले हिस्से की ओर हो रही थी।

एफएसएसएआई ने कहा कि होटलों से घी, मियोनीज, नारियल का दूध पाउडर, शहद, दाल, टमाटर सॉस, मुरब्बा और कुकीज समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए हैं। आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच के नतीजों के आधार पर की जाएगी।

नियामक ने दोनों होटल के संचालकों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने और इसके प्रमाण के साथ अनुपालन रिपोर्ट जमा करने को कहा है।

दोनों होटल की ओर से इस बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

जेडब्ल्यू मैरियट ने इस मामले पर कहा, ''हम अपने मेहमानों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। होटल में खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और गुणवत्ता के कड़े मानकों का पालन किया जाता है। मामले की समीक्षा के दौरान होटल स्थानीय अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रहा है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कदम उठाएगा।''

'अंदाज दिल्ली' के प्रवक्ता ने कहा, ''हमारे मेहमानों का स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हमेशा रहेगी। 22 जून, 2026 को होटल में एफएसएसएआई अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा निरीक्षण किया था। हमने निरीक्षण में पूरा सहयोग किया, मांगी गई सभी सूचनाएं और विवरण उपलब्ध कराए तथा उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट भी जमा की है।''

प्रवक्ता ने कहा कि होटल इस मामले को बेहद गंभीरता से लेता है और अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने तथा मेहमानों के भरोसे को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुभाष चंद्रा 22,006 करोड़ रुपये के कर्ज दावों के मुकाबले करेंगे 6.5 करोड़ रुपये का भुगतान

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला समाधान प्रक्रिया में करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत कर्ज दावों के निपटान के लिए 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान वाली पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी दे दी है।

इस योजना को मंजूरी मिलने से कर्जदाताओं को करीब 99.97 प्रतिशत बकाया का नुकसान (हेयरकट) स्वीकार करना होगा। एनसीएलटी के न्यायिक सदस्य नीलेश शर्मा ने न्यायाधिकरण के तीसरे सदस्य के रूप में मंगलवार को दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 114 के तहत निपटान योजना को मंजूरी दी। उन्होंने कर्जदाताओं की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया, जिनमें प्रस्तावित वसूली को बेहद कम बताते हुए योजना को मंजूरी नहीं देने की मांग की गई थी। इससे पहले एनसीएलटी की दो-सदस्यीय पीठ ने अलग-अलग राय दी थी। इसके बाद मतभेद के निपटारे के लिए न्यायाधिकरण के अध्यक्ष ने शर्मा को तीसरे सदस्य के रूप में नियुक्त किया था।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की अगुवाई वाले कर्जदाताओं के समूह ने योजना को अव्यावहारिक और गैरकानूनी बताते हुए इसका विरोध किया था।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा था कि करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के मुकाबले योजना में कर्जदाताओं को केवल 6.25 करोड़ रुपये और प्रक्रिया लागत के लिए 25 लाख रुपये देने का प्रस्ताव है।

एनसीएलटी के आदेश के अनुसार, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का स्वीकृत दावा 1,322.39 करोड़ रुपये था, जबकि उसके लिए प्रस्तावित भुगतान केवल 38,09,294 रुपये था। यह उसके स्वीकृत दावे का करीब 0.028 प्रतिशत ही था।

आपत्ति करने वाले कर्जदाताओं ने यह भी कहा था कि पुनर्भुगतान योजना में 6.5 करोड़ रुपये की प्रस्तावित राशि को भी निश्चित नहीं, बल्कि संकेतात्मक बताया गया है। इसलिए यह योजना अस्थायी और गैर-निश्चित है तथा इसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। हालांकि, एनसीएलटी ने कहा कि आपत्ति करने वाले कर्जदाताओं के पास कुल मिलाकर 20 प्रतिशत से कम मताधिकार ही था, जबकि योजना को 80.81 प्रतिशत मतों का समर्थन हासिल था।

शर्मा ने 144 पृष्ठ के आदेश में कहा कि समाधान पेशेवर के आकलन के मुताबिक चंद्रा की व्यक्तिगत संपत्ति का मूल्य योजना के तहत प्रस्तावित राशि से भी काफी कम था। ऐसे में योजना को खारिज करने पर असहमत कर्जदाताओं को अधिक राशि मिलने की संभावना नहीं थी। न्यायाधिकरण ने कहा कि योजना को मंजूरी मिलने से चंद्रा की वित्तीय स्थिति सुधरने और उनके मूल कर्जदाताओं से असहमत कर्जदाताओं को सीधे वसूली की बेहतर संभावना बन सकती है।

एनसीएलटी ने यह भी कहा कि उसका काम कर्जदाताओं की व्यावसायिक समझ का स्थान लेना या समझौते की राशि के पर्याप्त होने का आकलन करना नहीं है। उसकी भूमिका निगरानी, सुधारात्मक और न्यायिक है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि मंजूर होने के बाद यह योजना आईबीसी की धारा 115 के तहत सभी संबंधित कर्जदाताओं पर बाध्यकारी होगी, चाहे उन्होंने योजना के पक्ष में मतदान किया हो या विरोध में। असहमत कर्जदाताओं को योजना से बाहर जाकर पूरे मूल कर्ज की वसूली की अनुमति देना कानून की व्यवस्था को कमजोर करेगा और कर्जदाताओं के बीच असमान व्यवहार को बढ़ावा देगा। एनसीएलटी ने समाधान पेशेवर को संबंधित कटौतियों के बाद कर्जदाताओं की संशोधित और अंतिम सूची तैयार कर रिकॉर्ड में रखने तथा मंजूर योजना की राशि के पुनर्वितरण के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। मामला अब बहुमत की राय के अनुरूप औपचारिक आदेश पारित करने के लिए मूल दो सदस्यीय पीठ के पास वापस जाएगा। यह प्रक्रिया कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 419(5) के तहत होगी।

प्याज की आपूर्ति पर्याप्त, ग्राहकों के बीच अफवाहें फैलाई जा रही हैं : सरकार

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने बुधवार को कहा कि त्योहारी मौसम की मांग को पूरा करने के लिए प्याज की पर्याप्त उपलब्धता है और खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए बफर स्टॉक से इसकी बिक्री शुरू कर दी गई है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक बयान में कहा कि खाने-पीने की चीजों की ऊंची कीमतों के बारे में भ्रामक दावे और अफवाहें फैलाई जा रही हैं ताकि ग्राहकों में घबराहट पैदा की जा सके। बुधवार को प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 46.74 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो एक महीने पहले के स्तर से 35 प्रतिशत और सालाना आधार पर 63 प्रतिशत अधिक है।

सरकार ने कहा है कि वह प्याज की उपलब्धता और कीमतों पर बारीकी से नजर रख रही है और ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर और कदम उठाएगी।

विभाग ने कहा, ''आने वाले महीनों में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए प्याज की उपलब्धता संतोषजनक है...।'' वर्ष 2025-26 में प्याज का उत्पादन 307.37 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल यह 307.67 लाख टन था।

विभाग ने कहा, ''अच्छे उत्पादन, बफर स्टॉक की उपलब्धता और बाजार में सक्रिय हस्तक्षेप से आने वाले महीनों में पर्याप्त आपूर्ति और मौसमी कीमतों के दबाव को नियंत्रित रखने की उम्मीद है।'' विभाग ने कहा कि ग्राहकों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए, वह राज्यों में प्याज की कीमतों, आवक और उपलब्धता पर बारीकी से नजर रख रहा है। पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और कीमतों में अनावश्यक वृद्धि को रोकने के लिए जरूरत पड़ने पर और कदम उठाए जाएंगे।

सरकार ने बफर स्टॉक के लिए लगभग 1.21 लाख टन प्याज खरीदा है। वर्ष 2026-27 के दौरान प्याज बफर स्टॉक के लिए भंडारण एजेंसी के तौर पर पहली बार केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) को लगाया गया है।

विभाग ने कहा, ''दिल्ली में एनसीसीएफऔर नाफेड की मोबाइल वैन और खुदरा बिक्री केंद्र के साथ-साथ सफल और केंद्रीय भंडार के बिक्री केंद्र के ज़रिये 35 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज़ की खुदरा बिक्री शुरू की गई है।''

यह बिक्री एनसीसीएफके 90 बिक्री केंद्र और 40 मोबाइल वैन, नाफेड के 13 बिक्री केंद्र और 50 मोबाइल वैन, और लगभग 100 केंद्रीय भंडार बिक्री केंद्र के ज़रिये की जा रही है।

'कांदा एक्सप्रेस' पहल, बफर स्टॉक वाले प्याज़ को उत्पादन वाले इलाकों से खपत वाले केंद्रों तक पहुंचाने के लिए एक असरदार लॉजिस्टिक उपाय साबित हुई है।

नासिक से 'कांदा एक्सप्रेस' के ज़रिये प्याज़ की खेप का परिवहन शुरू हो गया है और इसके दिल्ली एनसीआर पहुंचने की उम्मीद है।

प्याज़ की आपूर्ति चेन्नई, कोलकाता, एर्नाकुलम, गुवाहाटी, वाराणसी, लखनऊ, पटना, चंडीगढ़, जम्मू और अमृतसर जैसे अन्य बड़े खपत केंद्रों में भी की जा रही है।

अपीलीय न्यायाधिकरण ने पांशुल एग्रो फूड की दिवाला याचिका खारिज की

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने पांशुल एग्रो फूड की याचिका को खारिज कर दिया है। कंपनी को दिवाला प्रक्रिया में लाने के लिए दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10 के तहत याचिका दायर की गयी था।

न्यायाधिकरण ने कहा कि यह याचिका दुर्भावनापूर्ण मंशा से दायर की गयी थी। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की अहमदाबाद पीठ के आदेश को बरकरार रखा। एनसीएलटी ने याचिका खारिज करने के साथ कंपनी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

हालांकि, अपीलीय न्यायाधिकरण ने मामले के हिसाब से जुर्माना अधिक होने का हवाला देते हुए आदेश में जुर्माने की राशि को घटाकर पांच लाख रुपये कर दिया।

एनसीएलएटी ने कहा, ''हम एनसीएलटी के इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि संहिता की धारा 10 के तहत आवेदन दुर्भावनापूर्ण मंशा से दायर किया गया था और इसलिए इसे खारिज किया गया है।''

अपीलीय न्यायाधिकरण ने अपीलकर्ता के इस तर्क को खारिज कर दिया कि केवल कर्ज और चूक साबित होने पर एनसीएलटी याचिका स्वीकार करने के लिए बाध्य था।

एनसीएलएटी ने कहा कि ऐसी याचिकाओं की वास्तविक मंशा की जांच करना न्यायाधिकरण का कर्तव्य है। वह केवल 'रबड़ स्टाम्प की तरह' काम नहीं कर सकता।

पांशुल एग्रो फूड एलएलपी ने 42.20 करोड़ रुपये की चूक का हवाला देते हुए अपने खिलाफ कॉरपोरेट ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने की मांग की थी।

आईबीसी की धारा 10 किसी कर्जदार कंपनी को चूक होने की स्थिति में खुद के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति देती है।

वहीं, धारा 65 स्वैच्छिक दिवाला कार्यवाही को धोखाधड़ी या दुर्भावनापूर्ण तरीके से शुरू करने से संबंधित है। इसके तहत एनसीएलटी एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगा सकता है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2019 में पांशुल एग्रो फूड को 28.44 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा दी थी, जिसे जुलाई, 2024 में बढ़ाकर 40.19 करोड़ रुपये कर दिया गया। कंपनी के खाते को 18 अप्रैल, 2025 को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित किया गया।

एसबीआई ने 20 जून, 2025 को सरफेसी (वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन) अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नोटिस जारी किया और 20 अगस्त, 2025 को ऋण वसूली न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया।

इसके छह दिन बाद 26 अगस्त, 2025 को कंपनी ने आईबीसी की धारा 10 के तहत याचिका दायर की।

एनसीएलएटी ने कहा कि फरवरी, 2026 में बैंक के निरीक्षण के दौरान कारखाने से कई संयंत्र और मशीनरी गायब मिलीं, जबकि मई, 2025 में हुए पिछले निरीक्षण के दौरान ये वहां मौजूद थीं।

कंपनी इस स्थिति को स्पष्ट करने के लिए खरीद संबंधी चालान या अचल संपत्ति रजिस्टर भी पेश नहीं कर सकी।

न्यायाधिकरण ने कहा, ''वसूली कार्यवाही लंबित रहने के दौरान ऋणदाता की सहमति के बिना बंधक रखी गई परिसंपत्तियों को हटाना गंभीर मामला है, जो सीधे तौर पर कर्जदाताओं के हितों को नुकसान पहुंचाता है।''

गूगल, अन्य कंपनियों के साथ एमओयू से पूर्वांचल और बुंदेलखंड के किसानों की आय बढ़ेगी : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (भाषा)।

उत्तर प्रदेश में किसानों की उत्पादकता और आमदनी में वृद्धि के लिये बुधवार को गूगल तथा आईटीसी समेत प्रमुख कंपनियों के साथ करारनामों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये।

राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में गूगल एवं ग्लोबल एंड नेटवर्क फॉर ह्यूमैनिटी, आईटीसी और एक्राब्रिज के साथ विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी-एग्रीज) परियोजना के तहत यूपीडीएएसपी (उत्तर प्रदेश विविधीकृत कृषि सहायता परियोजना) के साथ ये एमओयू किये गये।

अधिकारियों के मुताबिक, इन एमओयू का लक्ष्य सिर्फ कृषि उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि किसान की आय, खेती की जलवायु अनुकूलन क्षमता को मूल्यवर्द्धन तथा ग्रामीण उद्यमिता को एक साथ मजबूत करना भी है। उन्होंने बताया कि ये एमओयू पूर्वी उत्तर प्रदेश के 21 तथा बुंदेलखंड के सात जिलों में कृषि उत्पादकता व अन्नदाताओं की आय में वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि यूपीएग्रीज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विश्व बैंक के अध्यक्ष के दृष्टिकोण के अनुरूप उत्तर प्रदेश में धरातल पर कार्य करते दिख रहा है और ये एमओयू उसी कड़ी को मजबूत तरीके से बढ़ाने के लिए किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग चार हजार करोड़ रुपये की विश्व बैंक समर्थित इस परियोजना का केंद्र पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड पर है, जहां बदलाव की जरूरत के साथ-साथ व्यापक संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों को पिछड़ेपन का पर्याय मानकर दशकों तक उपेक्षित छोड़ दिया गया था, आज वही क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता व प्रदेश की उत्पादकता का आधार भी बन रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''हम पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड के 28 जिलों के 123 विकास खंडों में इस परियोजना को लागू कर रहे हैं। इसका लक्ष्य लगभग छह लाख हेक्टेयर क्षेत्र को लेते हुए 10 लाख किसानों, 35 हजार मत्स्य उत्पादक किसानों व तीन लाख महिलाओं को लाभ पहुंचाना है।''

अगर हाल का संकट नहीं आता तो भारत बन चुका होता तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाः राजनाथ..

पणजी, (भाषा)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और अगर हालिया वैश्विक संकट नहीं आया होता तो देश आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया होता। इसके साथ ही सिंह ने भरोसा जताया कि भारत निश्चित रूप से यह उपलब्धि हासिल करेगा।

रक्षा मंत्री ने गोवा के नॉर्थ गोवा जिले में शहीद स्मारक का उद्घाटन करने के बाद एक सभा में कहा कि संकट नहीं आया होता तो भारत अगले छह महीने से एक साल में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता था।

सिंह का इशारा स्पष्ट रूप से अमेरिका-ईरान युद्ध की ओर था। फरवरी अंत में शुरू हुआ यह संघर्ष अभी तक जारी है।

उन्होंने कहा कि भारत लड़ाकू विमान, युद्धपोत, मिसाइल, रडार, ड्रोन और उन्नत रक्षा प्रणालियों समेत रक्षा उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिन चीजों का भारत पहले दूसरे देशों से आयात करता था, अब उनका निर्माण देश में भारतीयों द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार बनने के बाद भारत का रक्षा निर्यात पहले के करीब 600 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 50,000 करोड़ रुपये हो गया है। रक्षा उत्पादन भी पहले के कुछ हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.80 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

सिंह ने कहा कि भारत अब केवल हथियारों का आयातक नहीं है, बल्कि वैश्विक रक्षा विनिर्माण में एक महत्वपूर्ण निर्यातक भी बन रहा है।

उन्होंने रक्षा और विकास क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय महिलाएं अब लड़ाकू विमान के कॉकपिट में बैठने के साथ देश के अंतरिक्ष अभियानों का हिस्सा बन रही हैं और अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले स्टार्टअप शुरू कर रही हैं।

उन्होंने युवाओं से नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को समझने तथा देश की एकता मजबूत करने, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने, कानून का पालन करने और निजी हितों से ऊपर राष्ट्रीय हित को रखने का आह्वान किया।

सुश्रुत वात क्लिनिक
डॉ. आकाश अनिल शेंडे
बी.ए.एम.एस. (नाशिक)
वात रोग तज्ञ
जनरल फिजिशियन
Regi L - 114791-A
कमर दर्द, सायटिका, आमवात, अस्थीवात, गठियावात, लकवा, नसों का दर्द (मोंदरा) एवं कमर गैप आदि वात रोगों का उपचार..
पता - भिलाई रोड, भारती लॉन के सामने, लांजी मो. 8637707202

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कोटेश्वर धुनी दरबार में हुआ सुंदरकांड का आयोजन, महाप्रसाद वितरण से हुआ कार्यक्रम संपन्न..

जगप्रेरणा लांजी।

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के प्रसिद्ध दादा कोटेश्वर धाम में सावन मास के पावन अवसर पर 25 अगस्त को प्रदोष पर्व के उपलक्ष्य में धुनी दरबार में

संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ किया गया। रात 8 बजे प्रारंभ हुआ यह धार्मिक आयोजन रात 11.30 बजे तक चला। इस दौरान पूरा धुनी दरबार श्रीराम भक्ति, सुंदरकांड की चौपाइयों, भजनों और जयकारों से गुंजायमान रहा। प्रदोष पर्व की पावन संध्या बेला में आयोजित सुंदरकांड पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सहभागिता की। संगीतमय सुंदरकांड पाठ के दौरान भजनों और भक्तिगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। जैसे-जैसे सुंदरकांड की चौपाइयों का पाठ आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे धुनी दरबार का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर होता गया। श्रद्धालु भगवान श्रीराम, माता जानकी और पवनपुत्र हनुमान की भक्ति में लीन नजर आए तथा समय-समय पर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से पूरा परिसर गूंजता रहा। सावन मास और प्रदोष पर्व के इस पावन संयोग पर श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ के साथ भगवान दादा कोटेश्वर महादेव की आराधना भी की। धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजन संपन्न कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर क्षेत्र, परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा सर्वकल्याण की कामना की। सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन के पश्चात सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान श्रीराम एवं दादा कोटेश्वर महादेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित की। घंटियों, शंखध्वनि और जयघोष के बीच हुई आरती से धुनी दरबार का वातावरण अत्यंत भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं सभी के कल्याण की प्रार्थना की। महाआरती के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही रात करीब 11.30 बजे सुंदरकांड पाठ एवं धार्मिक आयोजन का विधिवत समापन हुआ। सावन मास के पावन अवसर पर दादा कोटेश्वर धाम के धुनी दरबार में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने देर रात तक श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिकता से जोड़े रखा। रात 8 बजे से शुरू होकर साढ़े तीन घंटे तक चले इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ, भजन, हवन-पूजन, महाआरती और महाप्रसाद का पुण्यलाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से कोटेश्वर धाम का वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर पंडित विश्वनाथ तिवारी, नारायण दत्त छोटू खरगाल, नरेश डोलस, उमाकांत उपराड़े, सुनील मेहरबान, भूरू आदमने, राजेंद्र आसटकर, रजा मानकर, शालिकराम रामटेक्कर, विकास आसटकर, फणेन्द्र ददुरुगकर, अमित मुरकुटे, मनोज किरनापुरे, साकेत आदमने, शिवम ठाकरे, संदीप रामटैक्कर, महेंद्र मस्के, गोपाल सिल्लारे, श्रीमती अंजू खरगाल, अनिल मेहरबान, मंजू मेहरबान, दिलीप कुमार ठाकरे, कमललता ठाकरे, श्रीमती अनीता आदमने, श्रीमती लक्ष्मी किरनापुरे, श्रीमती उषा डोलस, सोनाली आदमने, श्रीमती अनीता मुरकुटे, कु. निधी मुरकुटे, श्रीमती मंजू मेहरबान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। वहीं सुंदरकांड पाठ करने पहुंचे श्रद्धालुओं में मनोज, माखन एवं बल्लू पटेल सहित अन्य भक्तों ने भी अपनी सहभागिता निभाई।

उत्कृष्ट विद्यालय में सुभाषित श्लोकों के साथ संस्कृत सप्ताह का हुआ शुभारंभ..

जगप्रेरणा लांजी।

लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में मंगलवार, 25 अगस्त 2026 से सात दिवसीय 'संस्कृत सप्ताह' कार्यक्रम का

विधिवत शुभारंभ किया गया। निर्धारित गतिविधियों एवं रूपरेखा के अनुसार आयोजित यह कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिदिन जारी रहेगा तथा 31 अगस्त को इसका समापन होगा।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस संस्था के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे द्वारा मां सरस्वती का विधिवत पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर अभिनंदन करते हुए संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएं दीं।

इसके पश्चात सोशल मीडिया के माध्यम से संस्कृत दिवस के अवसर पर विद्यालय स्तर पर 10 सुभाषित श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया। विद्यालय में अध्ययनरत संस्कृत विषय के विद्यार्थियों ने भी विभिन्न श्लोकों का स्वरबद्ध गायन प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक बनाया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने संस्कृत भाषा के प्रति उनकी रुचि एवं उत्साह को प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे ने विद्यार्थियों को संस्कृत सप्ताह मनाने के उद्देश्य और महत्व से अवगत कराया। उन्होंने भारत में संस्कृत भाषा के गौरवपूर्ण इतिहास, उसकी समृद्ध परंपरा एवं भारतीय संस्कृति में उसके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति, साहित्य और संस्कारों की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत के अध्ययन एवं प्रयोग के माध्यम से अपने व्यक्तिगत जीवन को सुसंस्कृत, अनुशासित एवं संस्कारवान बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के प्रभारी अंतराम पूंडे ने आयोजन का सफल संचालन करते हुए उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संस्कृत सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन संस्कृत भाषा एवं साहित्य से जुड़ने तथा संस्कृत के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आगामी दिनों में निर्धारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता, रुचि एवं अभिरुचि विकसित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति जुड़ाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सात दिवसीय यह आयोजन 31 अगस्त को विभिन्न गतिविधियों के साथ संपन्न होगा।

जश्ने मिलादुन्नबी पर शानो-शौकत से निकला जुलूस ए मोहम्मदी..

जगप्रेरणा किरनापुर।

जश्ने मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर किरनापुर में जुलूसे मोहम्मदी शानो-शौकत के साथ निकाला गया।

स्थानीय जामा मस्जिद से निकला जुलूस नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गुजरा। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन, युवा एवं बच्चे उत्साह के साथ शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उत्साहपूर्वक जुलूस में शामिल हुए और पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं एवं भाईचारे का संदेश दिया।

हाथों में भारतीय झंडा एवं धार्मिक झंडे लिए लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। जुलूसे मोहम्मदी के दौरान ग्राम पंचायत के सामने ग्राम पंचायत किरनापुर के पदाधिकारियों ग्राम पंचायत सरपंच धर्मकला जी, पंचायत सदस्य अंकुश पचभैया, राकेश शर्मा, जय प्रकाश रामटेके, महेश डोंगरे,शिव तारन, राकेश बोरकर, रमेश भाद्रे ,सहित अन्य ने जुलूस में शामिल लोगों का इस्तकबाल करते हुए फ्ल वितरण किया । एवं कौमी एकता की शानदार मिशाल पेश की। इस दौरान लोगों का आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया। जुलूस के नगर भ्रमण के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। जश्ने मिलादुन्नबी के अवसर पर लोगों ने शांति, सद्भाव, प्रेम और भाईचारे की भावना के साथ पर्व मनाया। जश्ने मिलादुन्नबी को लेकर नगर में पूरे दिन उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक इंतजाम किए गए थे।

देवलगांव के 3 विद्यार्थियों का मेडिकल कॉलेज के लिए चयन

माता, पिता, गांव का नाम रोशन करने पर परिवार और गांव में अपार उत्साह..

प्रणय टेंभरे

प्रियांशी ठाकरे

निशा चौरे

जगप्रेरणा लांजी।

तहसील लांजी के ग्राम देवलगांव के लिए यह गर्व और खुशी का अवसर है। नीट -2026 में गांव के तीन प्रतिभावान

विद्यार्थियों प्रणय टेंभरे, प्रियांशी ठाकरे और निशा चौरे ने सफलता हासिल कर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया है। एक ही गांव से तीन विद्यार्थियों का मेडिकल शिक्षा के लिए चयन होना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रणय टेंभरे ने 536 अंक हासिल कर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सिवनी में पाया प्रवेश..

देवलगांव निवासी राजेश्वर टेंभरे के पुत्र प्रणय टेंभरे ने नीट -2026 में 720 में से 536 अंक प्राप्त कर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, सिवनी में प्रवेश हासिल किया। प्रणय ने कक्षा 10वीं में 92 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं में भी 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उनकी स्कूली शिक्षा सेंट्रल एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल, उमरिया और प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल स्कूल, गोंदिया से हुई।

प्रियांशी ठाकरे ने भी बढ़ाया गांव का मान..

कमल किशोर ठाकरे एवं पुष्पा ठाकरे की बेटी प्रियांशी ठाकरे ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर सुख सागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए प्रवेश प्राप्त किया है।

प्रियांशी की स्कूली शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी से हुई। उन्होंने 10वीं में 89.8 प्रतिशत और 12वीं में 83.4 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

निशा चौरे ने 410 अंक के साथ इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में बनाई जगह..

वहीं, प्रहलाद चौरे की बेटी निशा चौरे ने भी नीट -2026 में सफलता हासिल की है। निशा ने 720 में से 410 अंक प्राप्त कर इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया। उन्होंने अपनी शिक्षा की शुरुआत बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय से की तथा 10वीं में 85 प्रतिशत और 12वीं में 82.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

तीनों की सफलता से गांव में उत्साह..

एक ही गांव से तीन विद्यार्थियों का मेडिकल कॉलेज में चयन होना न केवल उनके परिवारों के लिए बल्कि पूरे देवलगांव के लिए गौरव की बात है। तीनों विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से यह साबित किया है कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर भी विद्यार्थी बड़े सपनों को साकार कर सकते हैं। तीनों की सफलता से गांव के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों एवं परिजनों ने तीनों प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। देवलगांव की यह उपलब्धि निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

न्यायालय तहसीलदार तहसील-लांजी जिला बालाघाट म.प्र.

क्रमांक/2719/ तह. / प्रवा. / 2026
लांजी, दिनांक 21/08/2026

रा.प्र.क/ 0292 / अ-6/2026-27
मौजा लांजी, प.ह.न.-19/60
रा.नि.म. लांजी, तह. लांजी

।। ईश्तेहार ।।

एतद द्वारा आम जनता सूचित किया जाता को है कि आवेदक हेमंत देवगडे पिता श्री अनाराम देवगडे, जाति लोधी, निवासी वार्ड नं. 10 सोने सराड, पिपलगांवखुर्द तह. लांजी, जिला बालाघाट द्वारा ग्राम लांजी, प.ह.न. 19/60, रा.नि.म. लांजी, तह. लांजी में स्थित भूमि ख0न0 617/2/28/1 का सम्पूर्ण रकबा 0.068 हे. एवं ख.न. 617/2/28/2 (621/3,621/4,621/5,621/6,621/7,621/8,621/9/28ख) का रकबा 0. 068 हेक्टेयर जुमला रकबा 0.136 हेक्टे. भूमि को विक्रेता वर्शिला बोरकर पति श्री आशीष बोरकर, जाति महार से ई-पंजीयन विकय पत्र दिनांक 15/05/2026 ई-पंजीकरण संख्या MP56IGR16782026100572254 है। उक्त पंजीकृत विलेख के आधार पर केता के पक्ष मे नामांतरण किये जाने हेतु म.प्र.भू.रा.स. 1959 की धारा 109-110 के अन्तर्गत न्यायालय में आवेदक प्रस्तुत किया गया है। अतएव जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 08/09/2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक / अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

जारी दिनांक 21/08/2026
स्थान लांजी

तहसीलदार
लांजी

मेट्रो सिटी इंदौर में मेडिकल की पढ़ाई करेगा दिघोरी का अंशुल

सफलता का श्रेय माता, पिता, गुरुजनों को..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के ग्राम दिघोरी निवासी पिता भागवत सुलाखे और माता हेमेश्वरी सुलाखे के बेटे अंशुल सुलाखे ने अपनी मेहनत और लगन से असाधारण सफलता हासिल की है।

अंशुल का चयन शासकीय महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज इंदौर में एमबीबीएस के लिए हुआ है। अब वह डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करेगा। अंशुल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, दोस्तों और शिक्षकों को दिया है। उनका कहना है कि परिवार और गुरजनों के सहयोग से ही यह सपना साकार हो पाया।

गणेश बनवारी का निधन..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर के वार्ड क्रमांक 13, आमगांव रोड निवासी गणेश बनवारी (60) का बीमारी के चलते बुधवार 26 अगस्त को शाम 5 बजे निधन हो गया।

गणेश बनवारी अपने पीछे एक पुत्र एवं तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा गुरुवार 27 अगस्त को दोपहर 12 बजे निवास स्थान से निकाली जाकर अंतिम संस्कार लांजी स्थित कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। उनके निधन से परिवार एवं शुभचिंतकों में गहरा दुःख है। परिजनों एवं परिचितों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की है।

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

भाई, बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन, कल भाइयों के कलाई पर सजेगी राखियां..

जगप्रेरणा लांजी।

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। श्रावण मास की

पूर्णिमा के अवसर पर मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर बाजारों में राखियों की खरीदारी शुरू हो गई है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना करेंगी, वहीं भाई बहनों की रक्षा और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लेंगे।

पंचांग के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 9:08 बजे प्रारंभ होकर 28 अगस्त को सुबह 9:48 बजे समाप्त होगी। पूर्णिमा तिथि के दो दिनों में पड़ने के कारण रक्षाबंधन की तारीख को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भद्रा काल में राखी बांधना उचित नहीं माना जाता। इस वर्ष 28 अगस्त की सुबह तक भद्रा समाप्त हो चुकी होगी, इसलिए रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

सुबह 5 :57 से 9 :48 बजे तक शुभ मुहूर्त..

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का शुभ समय सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक बताया गया है। इस दौरान बहनें भाई को तिलक लगाकर, अक्षत और आरती के साथ राखी बांध सकती हैं। शुभ मुहूर्त की अवधि करीब 3 घंटे 51 मिनट रहेगी। ये समय नई दिल्ली के पंचांग के अनुसार है; स्थानीय पंचांग के अनुसार कुछ मिनट का अंतर संभव है।

इस तरह करें रक्षाबंधन की पूजा..

रक्षाबंधन के दिन बहनें पूजा की थाली में रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और राखी रखें। सर्वप्रथम भगवान का पूजन करने के बाद भाई को तिलक लगाएं और अक्षत लगाकर उसकी आरती उतारें। इसके बाद भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखी, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करें। भाई भी बहन को उपहार देकर उसके सम्मान, सुरक्षा और सुख में सदैव साथ देने का संकल्प लेता है।

रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है। समय के साथ इस पर्व का स्वरूप भी व्यापक हुआ है। अब बहनें दूर रहने वाले भाइयों को डाक अथवा अन्य माध्यमों से राखी भेजती हैं और वीडियो कॉल के माध्यम से भी पर्व की खुशियां साझा करती हैं।

बाजारों में बढ़ी रौनक..

रक्षाबंधन को लेकर लांजी सहित आसपास के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियां, बच्चों के लिए आकर्षक कार्टून राखियां, पारंपरिक रक्षासूत्र और उपहार सामग्री उपलब्ध है। मिठाई दुकानों पर भी पर्व को देखते हुए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को लेकर परिवारों में उत्साह का माहौल है।

धार्मिक परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन का मूल भाव एक-दूसरे के प्रति प्रेम, विश्वास और रक्षा का संकल्प है। यही भावना इस पर्व को विशेष बनाती है। इस वर्ष भी रक्षाबंधन पर घर-घर में पूजा-अर्चना, राखी बांधने और मिठाई खिलाने के साथ भाई-बहन के स्नेह का उत्सव मनाया जाएगा।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

खेत में बेहोश मिले युवक-युवती, मामला उलझा, जांच का इंतजार..

जगप्रेरणा नैनपुर (मंडला)।

थाना नैनपुर क्षेत्र की पिंडरई चौकी अंतर्गत ग्राम खीरसारू में सोमवार अल सुबह एक युवक और युवती अलग-अलग खेतों में बेहोशी की हालत में मिले।

ग्रामीणों की सूचना पर दोनों को 112 वाहन की सहायता से सिविल अस्पताल नैनपुर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक अभिषेक, निवासी ग्राम टाला (थाना केवलारी), हाल ही में नागपुर से अपने घर लौटा था। परिजनों के अनुसार घर आने के कुछ समय बाद वह दो दोस्तों के साथ बाहर गया था। दोस्तों का कहना है कि उन्होंने रात लगभग 10 बजे उसे खीरसारू गांव के बाहर छोड़ा था। अस्पताल में युवक ने बताया कि उसे करंट लगा था तथा तीन युवकों ने उसे और युवती को अलग-अलग कर मारपीट की, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। वहीं युवती ने चोट लगने का कारण जंगली भालू या सूअर का हमला बताया है। दोनों के बयानों में विरोधाभास होने से मामला और उलझ गया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों के पैरों में गंभीर चोटें हैं, हालांकि उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के परिजनों ने फिलहाल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने से मना किया है, जिसके चलते अस्पताल की ओर से भी पुलिस को औपचारिक सूचना नहीं दी गई। पुलिस का कहना है कि यदि युवक-युवती या उनके परिजन शिकायत दर्ज कराते हैं तो प्राप्त तहरीर और बयानों के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, लेकिन आधिकारिक रूप से किसी भी कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

जागरूकता सत्र में महिलाओं को मिली योजनाओं और हेल्पलाइन की जानकारी

जगप्रेरणा मंडला।

मवई विकासखंड के पोषक ग्राम प्रेमनगर, ग्राम पंचायत भीमडोंगरी तथा आंगनवाड़ी केंद्र बंगोटिकरा, पोषक ग्राम मंगली एवं ग्राम पंचायत मनोरी में हब के अंतर्गत

जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, महिला श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही वन स्टॉप सेंटर में उपलब्ध छह प्रकार की सहायता सेवाओं और महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। महिलाओं को 181 राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा साइबर अपराध की स्थिति में 1930 साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करने की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने निराश्रित बच्चों के लिए संचालित सारथी चैंपियन, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के अंतर्गत संचालित आशा योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली श्रीमती सुनीता सोनी को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

चलती बस में यात्री की मौत, सफर के दौरान बिगड़ी तबीयत से मचा हड़कंप..

जगप्रेरणा मंडला/डिंडोरी।

डिंडोरी-मंडला मार्ग पर संचालित एक यात्री बस में बुधवार दोपहर सफर के दौरान एक यात्री की अचानक मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बस चालक और परिचालक ने वाहन को ग्राम चाबी स्थित उपका तिराहे के पास रोककर मृतक के परिजनों को सूचना दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जय मां खैरावाली यात्री बस डिंडोरी से मंडला की ओर जा रही थी। इसी दौरान ग्राम राई निवासी एक ग्रामीण चाबी बाजार जाने के लिए बस में सवार हुआ था। सफर के दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उसकी सांस तेजी से फूलने लगी और कुछ ही देर में उसकी हालत गंभीर हो गई। यात्रियों और बस स्टाफ द्वारा मदद का प्रयास किया गया, लेकिन देखते ही देखते उसने बस के भीतर ही दम तोड़ दिया।

अन्य यात्रियों को दूसरी बस से भेजा गया..

घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। बस चालक और परिचालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस को सुरक्षित स्थान पर रोक दिया। इसके बाद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्हें दूसरी बस के माध्यम से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

वहीं मृतक की पहचान और उसके परिजनों की जानकारी जुटाकर उन्हें घटना की सूचना दी गई। परिजन मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की गई। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। 'डिंडोरी-मंडला मार्ग पर चलती बस में यात्री की मौत, तबीयत बिगड़ने के बाद तोड़ा दम'।

घुघरा जलप्रपात में सेल्फी का जुनून बना खतरा, चेतावनी के बावजूद जान जोखिम में डाल रहे पर्यटक

जगप्रेरणा निवास (मंडला)।

मंडला जिले के निवास थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध घुघरा जलप्रपात में पर्यटकों की लापरवाही चिंता का विषय बनती जा रही है।

करीब 30 फीट ऊंचे इस जलप्रपात पर कुछ पर्यटक फिसलन भरी चट्टानों के किनारे खड़े होकर सेल्फी और फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं, कई लोग चट्टानों से नीचे उतरकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

बारिश के चलते जलप्रपात क्षेत्र की चट्टानें बेहद फिसलन भरी हो गई हैं, जिसके कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन द्वारा लगाए गए चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा संबंधी निर्देशों को भी कई पर्यटक नजरअंदाज कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में कुछ पर्यटक झरने के बेहद करीब खतरनाक स्थानों पर खड़े होकर सेल्फी लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। बरसात के मौसम में घुघरा जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता देखने बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं, लेकिन सुरक्षा नियमों की अनदेखी दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे जोखिम भरे स्थानों पर न जाएं, चेतावनी संकेतों का पालन करें और अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। 'घुघरा जलप्रपात में सेल्फी का खतरनाक क्रेज, फिसलन भरी चट्टानों पर जान जोखिम में डाल रहे पर्यटक'।

उदयपुर में अकीदत और उल्लास के साथ मनाया गया ईद मिलाद-उन-नबी, निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी

जगप्रेरणा बीजाडांडी (मंडला)।

इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस ईद मिलाद-उन-नबी का पर्व बीजाडांडी क्षेत्र के ग्राम उदयपुर में पूरी अकीदत, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस्लामी कैलेंडर के रबी-उल-अव्वल माह की 12वीं तारीख को मनाए जाने वाले इस मुकद्दस पर्व पर पैगंबर साहब की शिक्षाओं और उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के तत्वावधान में ग्राम उदयपुर में भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस की सरपरस्ती आला मस्जिद के सदर इकबाल अहमद ने की, जबकि अगुवाई मस्जिद के इमाम आबिद रजा ने की। जुलूस गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज सहित अन्य समुदायों के लोगों ने भी भाग लिया। जुलूस के दौरान अंजुमन कमेटी एवं इंसानियत फाउंडेशन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए फल, मिठाई और लंगर की व्यवस्था की गई। वहीं रात में आयोजित विशेष जलसे में मौलाना अब्दुल्ला सिद्दीकी ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन, उनके आदर्शों और सुन्नतों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को आपसी भाईचारे, प्रेम और इंसानियत का संदेश दिया।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर बना आकर्षण का केंद्र..

त्योहार के अवसर पर इंसानियत फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। इस पहल को ग्रामीणों ने सराहा।

कार्यक्रम में सरपंच बलदेव परते, उपसरपंच जगदीश यादव, अमित मिश्रा, अब्दुल गनी, मौलाना अब्दुल कदीर, शेख शब्बीर, मो. ताहिर, शेख गुलाम, शेख रमजान, मो. सलाम, मो. नौशाद, हैदर सिद्दीकी, शहीद शाह, बाबू सलाम, मो. साबिर, इमरान मंसूरी, सलमान मंसूरी, अकरम मंसूरी, उस्मान मंसूरी, सोहिल मंसूरी, आरिफखान और आरिफमंसूरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। 'उदयपुर में निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी, ईद मिलाद-उन-नबी पर दिया भाईचारे और इंसानियत का संदेश'।

जन संवाद में सुनी नागरिकों की समस्याएं, 14 आवेदन प्राप्त

जगप्रेरणा मंडला।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नगर पालिका परिषद मंडला द्वारा कबीर चौक सामुदायिक भवन में वार्ड क्रमांक 6, 7 एवं 8 के नागरिकों के लिए

जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नागरिकों की समस्याएं और सुझाव सुने गए। कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 5 पेयजल एवं नल संबंधी, 4 विद्युत, 2 पेंशन, 2 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तथा 1 समग्र आईडी से संबंधित आवेदन शामिल थे।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के दोनों आवेदनों तथा समग्र आईडी से संबंधित आवेदन का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने दो पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन के स्वीकृति प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए।

उन्होंने नागरिकों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में श्री सुधीर मिश्रा, सुश्री रितिका चौरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री गजानन नाफड़े, नोडल अधिकारी श्री प्रवीण ठाकुर सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

चयन श्रेणी-चटोपाध्याय सहित शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर शिक्षक समिति आक्रामक..

5 सितंबर तक मांगों का निराकरण करें, अन्यथा 8 सितंबर को जिला परिषद के सामने भव्य धरना आंदोलन की चेतावनी..

जगप्रेरणा आमगांव।

जिले के प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों की ओर शिक्षा विभाग द्वारा कथित रूप से लगातार अनदेखी किए जाने के विरोध में महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिति ने आक्रामक रुख अपनाया है। शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर 5 सितंबर 2026 तक सकारात्मक निर्णय लिया जाए, अन्यथा 8 सितंबर 2026 को जिला परिषद गोंदिया कार्यालय के सामने एक दिवसीय भव्य धरना आंदोलन किया जाएगा, ऐसी चेतावनी समिति के जिलाध्यक्ष संदीप तिडके ने दी है।

6 अप्रैल के आंदोलन के बाद भी समस्याएं लंबित..

शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर समिति की ओर से 6 अप्रैल 2026 को अनिश्चितकालीन श्रृंखलाबद्ध अनशन आंदोलन किया गया था। प्रशासन द्वारा लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, आश्वासन के बावजूद कई महत्वपूर्ण समस्याएं अभी भी लंबित हैं। बार-बार ज्ञापन, बैठकें और लगातार प्रयास करने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप समिति ने लगाया है।

वेतनश्रेणी एवं सेवा संबंधी लाभ प्रमुख मांगें..

शिक्षक समिति ने प्राथमिक शिक्षकों को एकस्तर पदोन्नति के अंतर्गत स्-14 वेतनश्रेणी लागू करने, 12 एवं 24 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों को उनकी मूल नियुक्ति तिथि से चटोपाध्याय एवं चयनश्रेणी का लाभ देने तथा पदवीधर विषय शिक्षकों को सभी के लिए पदवीधर वेतनश्रेणी का लाभ देने की मांग की है।

इसके अलावा पिछली चयनश्रेणी सूची से वंचित 19 शिक्षकों को तत्काल चयनश्रेणी का लाभ, आदिवासी उपाययोजना के अंतर्गत नए शामिल किए गए गांवों को एकस्तर वेतनश्रेणी का लाभ, चयनश्रेणी एवं चटोपाध्याय वेतनश्रेणी के लंबित मामलों का निपटारा, सेवासातत्य के मामलों को शीघ्र हल करने तथा शिक्षकों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों का तत्काल भुगतान करने की मांग की गई है।

स्कूलों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी मांगें..

जिन स्कूलों को पर्याप्त पाठ्यपुस्तकें नहीं मिली हैं, वहां आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराने, अतिरिक्त मकान किराया भत्ते की लंबित बकाया राशि का भुगतान, शिक्षकों का **GPF** ऑनलाइन करने की प्रक्रिया पूरी करने तथा 16वें वित्त आयोग के माध्यम से स्कूलों को आवश्यक भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग समिति ने की है।

विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कक्षाओं के निर्माण के लिए पर्याप्त निधि उपलब्ध कराने तथा शालेय पोषण आहार योजना के अंतर्गत **FSSAI** पंजीकरण अनिवार्य नहीं करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। साथ ही, सम्माननीय हटिले सर के साथ हुए अन्याय को दूर कर उन्हें न्याय देने की मांग भी समिति ने की है।

'अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होंगे'..

'शिक्षकों की समस्याओं को लेकर बार-बार ज्ञापन देने, चर्चा करने और प्रशासन से आश्वासन मिलने के बावजूद यदि समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होंगे। शिक्षकों की हक की वेतनश्रेणी, आर्थिक लाभ, सेवा संबंधी मामलों और स्कूलों की मूलभूत सुविधाओं के संबंध में तत्काल निर्णय लेना आवश्यक है,' ऐसी स्पष्ट भूमिका शिक्षक समिति ने रखी है। इन मांगों के संबंध में जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी तथा शिक्षणाधिकारी, जिला परिषद गोंदिया को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिति के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

बोले संदीप तिडके..

'शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर शिक्षकों की लंबित मांगों का समाधान कर गोंदिया जिले के शिक्षकों को जिला परिषद की ओर से शिक्षक दिवस का उपहार दिया जाना चाहिए। 5 सितंबर तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर 8 सितंबर को जिला परिषद के सामने भव्य धरना आंदोलन किया जाएगा। शिक्षकों के अधिकारों के लिए संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा। शिक्षकों को न्याय दिलाए बिना शिक्षक समिति शांत नहीं बैठेगी।'

पुलिस जवान स्व. जितेंद्र पगरवार को भावपूर्ण दी गई श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा सालेकसा।

पुलिस स्टेशन सालेकसा में कार्यरत पुलिस जवान जितेंद्र पगरवार का 20 अगस्त 2026 को तड़के साढ़े तीन बजे दुखद निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से सालेकसा परिसर में शोक की लहर है।

उनकी स्मृतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 24 अगस्त 2026 को सालेकसा बस स्टॉप स्थित बहेकार कॉम्प्लेक्स में शोकसभा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सालेकसा नगर पंचायत के नगराध्यक्ष विजय फुंडे ने की।

इस अवसर पर पुलिस स्टेशन सालेकसा के एपीआई गवई, सामाजिक कार्यकर्ता विनय शर्मा, सचिन बहेकार, सुनील असाटी, ब्रजभूषण बैस, मुरलीधर कावड़े, मुस्ताक अंसारी, प्रा. गणेश भदाड़े, निलेश बोहरे, पत्रकार पवन पाथोडे, शुभम जैन, प्रा. राकेश रोकड़े, कैलास गजभिये, गौरीशंकर भंडारकर, भास्कर शिवणकर, काशी पाथोडे, हरीश बहेकार, खांडवाये, सोनल बडोले, बिसेन, जनबंधू, बनसोड, गौतम सहित बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारी एवं पुलिस पूर्व प्रशिक्षण के विद्यार्थी उपस्थित थे।

उपस्थित मान्यवरों ने स्व. जितेंद्र पगरवार के कर्तव्यनिष्ठ कार्य एवं मिलनसार स्वभाव को याद करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उपस्थित लोगों की भावनाएं अनावर हो गईं। 'जितेंद्र पगरवार अमर रहे, अमर रहे' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

स्व. जितेंद्र पगरवार के आकस्मिक निधन से उनके परिवार सहित सहकर्मी पुलिस कर्मचारियों एवं मित्र परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी कर्तव्यनिष्ठ सेवा, सरल स्वभाव और मधुर स्मृतियां सदैव सभी के हृदय में जीवित रहेंगी, ऐसी भावनाएं इस अवसर पर व्यक्त की गईं।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

बलमाटोला मे हुई 62 हजार की चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के दवनीवाडा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 14/8/2026 से दिनांक 25/8/2026 के दरम्यान बलमाटोला मे फर्यादी राहुल धनलाल माने उम्र 26 वर्ष निवासी बलमाटोला के मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने प्रवेश कर घटना तारीख के दरम्यान सोने के गहने 17 ग्राम किमत 48 हजार रुपये, चांदी 40 ग्राम किमत 4 हजार रुपये, नगदी 10 हजार रुपये, कुल 62 हजार रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे दवनीवाडा मे अपराध क्रमांक 424/2026 धारा 331,3,331,4,305, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफौ सचिन टेंभुर्णीकर 317 पोस्टे दवनीवाडा कर रहे है।

सालेकसा के होस्टल मे हुई चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/8/2026 के रात अज्ञात चोर ने अनेक दिनो से बंद नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय होस्टल मे प्रवेश कर 4 गंज किमत 2500 सौ रुपये, 4 स्टिल बाल्टी किमत 600 सौ रुपये, स्टिल ड्रम किमत 400 सौ रुपये, 2 बडे गंज किमत 1600 सौ रुपये, अल्युमीनियम डब्बे किमत 1 हजार रुपये, कुकर किमत 900 सौ रुपये, पीतल की समई किमत 200 सौ रुपये, तवा किमत 300 सौ रुपये, गैस चुल्हा किमत 2 हजार रुपये, अन्य सामान किमत 6 हजार रुपये कुल 18,200 रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 422/2026 धारा 305, ए,331,4, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा वैद्य 1605 पोस्टे सालेकसा कर रहे है।

मुन्नी हॉटेल से मोटरसायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 25/8/2026 के 2 बजे के दरम्यान मुन्नी हॉटेल तिरोडा मे फर्यादी अनिल देवनदास मेहेरचंदानी उम्र 47 वर्ष निवासी तिरोडा अपनी मोटरसायकल से मुन्नी हॉटेल गये थे। वहा बाहर अपनी मोटरसायकल खडी की थोडी देर बाद वापस आये तो मोटरसायकल वहा नही थी। घटना समय के दरम्यान किसी अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे तिरोडा मे अपराध क्रमांक 837/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा सदाशिव निलपत्रेवार 536 पोस्टे तिरोडा कर रहे है।

प्रतापगड पहाडी पर मृत अवस्था मे मिला पुजारी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 25/8/ 2026 के सुबह 11 बजे के दरम्यान विजय तुळशीराम दुधकुरे उम्र 56 वर्ष निवासी भिवाखिडकी यह प्रतापगड पहाडी पर शिवमंदीर मे पुजारी का काम करता था। उसे खासी की बिमारी थी घटना के समय वह मृतअवस्था मे मिलने से फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे अर्जुनी मोर मे अकस्मात मौत क्रमांक 32/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा हर्षे 217 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

किरसान मिशन स्कूल में भाई बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व उत्साह के साथ मनाया..

जगप्रेरणा गोरेगांव।

स्थानीय किरसान मिशन स्कूल एवं जूनियर कॉलेज में रक्षाबंधन पर्व उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रक्षाबंधन पर्व के महत्व,

भाई-बहन के प्रेम तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन से की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन पर्व से संबंधित सुंदर प्रस्तुतियां दीं। छात्राओं ने विद्यार्थियों को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की भावना को उजागर किया। विद्यार्थियों ने भी इस पर्व के महत्व को समझते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय की मुख्याध्यापिका कविता एच. येडे मैम ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, स्नेह और आपसी सहयोग का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का सम्मान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री गुरुदेव आदिवासी शिक्षण प्रसारक मंडल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री दुस्यंत किरसान सर एवं डायरेक्टर श्रीमती सीमा किरसान मैम ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों में रक्षाबंधन पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया तथा अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भाई और वन संरक्षण का दिया संदेश, उत्तर देवरी वन विभाग में नन्हें-मुन्नों का रक्षाबंधन

जगप्रेरणा देवरी।

वन परिक्षेत्र कार्यालय उत्तर देवरी में मंगलवार 25 तारीख को रक्षाबंधन का एक अत्यंत अनोखा और प्रेरणादायक कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। 'आदर्श भारत छावा स्कूल, देवरी' की छात्राओं ने वन परिक्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया।

छात्राओं ने इस अवसर पर 'भाई केवल भाई की ही नहीं, बल्कि वनों की भी रक्षा करें' का महत्वपूर्ण संदेश देते हुए स्वयं भी वनों की रक्षा करने की शपथ ली। साथ ही पेड़ों की कटाई रोकने, जंगलों में आग न लगाने और वन्यजीवों की सुरक्षा करने के संबंध में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। वन परिक्षेत्र अधिकारी एस. वी. धोटे-मिश्रा ने छात्राओं के इस उपक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह राखी का धागा केवल त्यौहार तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव जीवन और वन के बीच के अटूट रिश्ते को और अधिक मजबूत करने वाला है।' इसके अलावा आर. जी. बेहरे ने भी उपस्थित लोगों को वन संरक्षण का महत्व समझाया। इस अवसर पर आदर्श भारत छावा स्कूल की शिक्षिका कामिनी दखने, डॉली जायसवाल, अर्पिता तिवारी, भाग्यश्री राऊत, मिनल यावलकर, विजय कावले सर और वन विभाग के सभी कर्मचारी व छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वन रक्षक जे. जे. केंद्रे, स्कूल के शिक्षक वर्ग और वन विभाग के कर्मचारियों ने विशेष प्रयास किए।

राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग स्पर्धेत के. के. इंग्लिश प्रायमरी स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन..

'पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों का भविष्य संवारेंगे - प्रधानाचार्या रीना भूते'

जगप्रेरणा आमगांव।

दिनांक 21 से 24 अगस्त 2026 तक नांदेड में आयोजित राष्ट्रीय थाईबॉक्सिंग प्रतियोगिता में के. के. इंग्लिश प्रायमरी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए **निम्नलिखित पदक प्राप्त किए:** अश्विनीकुमार शुक्ला - स्वर्ण पदक, नयन चुटे - रजत पदक।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय की प्रधानाचार्या रीना भूते मैडम, क्रीड़ा प्रशिक्षक हेमंत चावके, दीक्षा भांडारकर तथा अपने माता-पिता को दिया।

के. के. इंग्लिश प्रायमरी स्कूल के विद्यार्थी निरंतर खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। शीघ्र ही ये खिलाड़ी गोवा में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी अपने विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करेंगे, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की गई।

खिलाड़ियों की इस शानदार सफलता पर कार्यवाह श्री केशवराव मानकर, श्री सुरेशबाबू असाटी, कार्यकारी डॉ. संघी सर, श्री ललित मानकर, श्री हरिहर मानकर, सौ. स्नेहाताई मानकर, प्रधानाचार्या रीना भूते मैडम तथा विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

सीटीईटी 2026 परीक्षा आगे बढ़ाई गई, नए सिरे से आवेदन का मौका

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत, 1 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन..

जगप्रेरणा आमगांव।

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) *2026 के अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड* (CBSE) *ने सितंबर 2026 सत्र के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी है।*

इससे पहले आवेदन नहीं कर पाने वाले पात्र अभ्यर्थियों को एक और मौका मिला है। इसी के चलते 6 सितंबर 2026 को होने वाली **CTET** परीक्षा को आगे बढ़ा दिया गया है। परीक्षा की संशोधित तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

1 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

(CBSE) ने **CTET** सितंबर 2026 के लिए आवेदन विंडो 25 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक दोबारा खोल दी है। ऐसे में जिन पात्र अभ्यर्थियों ने पहले आवेदन नहीं किया था, वे अब नए सिरे से आवेदन कर सकते हैं। जिन्होंने पहले आवेदन किया है, उनका क्या होगा? जिन अभ्यर्थियों ने **CTET** सितंबर 2026 के लिए पहले ही सफलतापूर्वक आवेदन कर दिया है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें अब परीक्षा की संशोधित तारीख की घोषणा का इंतजार करना होगा।

परीक्षा की तारीख क्यों बदली गई?

CBSE ने पात्र अभ्यर्थियों को**CTET** पात्रता हासिल करने के लिए अतिरिक्त अवसर देने के उद्देश्य से आवेदन प्रक्रिया दोबारा शुरू की है। इस अतिरिक्त आवेदन प्रक्रिया के कारण पहले निर्धारित 6 सितंबर की परीक्षा को आगे बढ़ाया गया है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा की संशोधित तारीख घोषित की जाएगी।

आधिकारिक जानकारी कहां मिलेगी?

अभ्यर्थियों को आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा की नई तारीख और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के लिए केवल **CTET** की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी की जांच करनी चाहिए।

महत्वपूर्ण सूचना..

1 सितंबर 2026 आवेदन की अंतिम तारीख है। इसलिए इच्छुक अभ्यर्थी अंतिम दिन का इंतजार किए बिना अपना आवेदन समय पर पूरा कर लें।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET) ■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI) ■ (IUI) आय.यू.आय. ■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार ■ शुक्राणु बैंक सुविधा ■ सोनोग्राफी ■ हार्मोंस की जांच ■ हार्मोंस की गड़बड़ी की ईलाज ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी पर गोंदिया में गूंजा 'लब्बैक या रसूल अल्लाह'

मरकजी सीरतुन्नबी कमेटी की निगरानी में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदिया, हजारों अकीदतमंदों ने की शिरकत; जगह-जगह हुआ स्वागत

जगप्रेरणा गोंदिया।

इस्लाम के पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) की विलादत के मुबारक अवसर पर बुधवार को गोंदिया शहर में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी पूरे अकीदत, उत्साह और सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर

शहर की फिज़ा 'लब्बैक या रसूल अल्लाह' की सदाओं से गूंज उठी। मरकजी सीरतुन्नबी कमेटी की निगरानी में निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदिया में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद (स.अ.व.) की तालीमात को इंसानियत, अमन, सादगी, गरीबों, बेसहारा और जरूरतमंदों के अधिकारों तथा महिलाओं और बेटियों के सम्मान का संदेश बताते हुए शहरभर में मिलाद का जश्न मनाया गया। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने नात-ए-पाक पढ़ते हुए और दरूद-ओ-सलाम पेश करते हुए अपने नबी की आमद की खुशी का इजहार किया। जुलूस से पहले शहर की विभिन्न मस्जिदों में सुबह सादिक के समय नमाज-ए-फज्र अदा की गई। इसके बाद परचमकुशाई की रस्म हुई तथा पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स.अ.व.) की विलादत के मौके पर सलात-ओ-सलाम का नजराना पेश किया गया।

ईदगाह मैदान से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदिया

जुलूस-ए-मोहम्मदिया की शुरुआत गोंदिया के ईदगाह मैदान से हुई। यहां शहर की विभिन्न मस्जिदों के खतीब व इमाम, उलमा-ए-किराम, मस्जिदों के सदर, अराकीन-ए-कमेटी, मुस्लिम इदारों के पदाधिकारी, मुस्लिम जमात के सदर, मरकजी सीरतुन्नबी कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य तथा बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।उलमा और खतीब-ओ-इमाम के हाथों इस्लामी परचम फहराया गया। इस दौरान तकरीर, नातख्वानी और सलात-ओ-सलाम का आयोजन हुआ। इसके बाद जुलूस शहर की प्रमुख सड़कों, चौक-चौराहों और गली-कूचों से होकर आगे बढ़ा। जुलूस में शामिल लोग नात और नारों के साथ पैगंबर-ए-इस्लाम की विलादत की खुशी मनाते नजर आए।

सब्ज पताकों, रोशनी और आकर्षक गेटों से सजा शहर

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी को लेकर गोंदिया शहर के विभिन्न हिस्सों में विशेष सजावट की गई। प्रमुख मार्गों और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में सब्ज पताकाएं, आकर्षक रोशनी और स्वागत द्वार लगाए गए। कई स्थानों पर इस्लामी झांकियां भी तैयार की गईं, जिन्होंने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जुलूस के मार्ग में जगह-जगह मुस्लिम समाज के साथ-साथ अन्य समाज के लोगों ने भी स्वागत किया। अकीदतमंदों के लिए मिठाई, शरबत, फल और नाश्ते की व्यवस्था की गई। विभिन्न समाजों के लोगों ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद देकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। जुलूस-ए-मोहम्मदिया का समापन सुभाष स्कूल ग्राउंड में हुआ। इसके बाद सुभाष स्कूल ग्राउंड के साथ ही हुसैनी चौक, रामनगर और बाजार चौक में आम लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

सदर ईरशाद 'ईशान' शेख का जगह-जगह इस्तकबाल

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के आयोजन में मरकजी सीरतुन्नबी कमेटी के सदर जनाब ईरशाद (ईशान) शेख का विभिन्न चौक-चौराहों पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुस्लिम समाज के लोगों के साथ ही अन्य समाज के नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी फूलों की मालाएं व गुलदस्ते भेंट कर उनका इस्तकबाल किया। जुलूस के दौरान अमन और सादगी बनाए रखने विशेष जोर दिया गया। मरकजी सीरतुन्नबी कमेटी की ओर से शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन संपन्न कराने आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। पुलिस प्रशासन ने भी जुलूस को सुचारु रूप से संपन्न कराने में भरपूर सहयोग दिया। पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे तथा एसडीपीओ गोंदिया के मार्गदर्शन में शहर थाना, रामनगर थाना और यातायात पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था संभाली। पुलिस महकमे की ओर से मुस्लिम समाज के लोगों को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद भी दी गई। मरकजी सीरतुन्नबी कमेटी के सदर ईरशाद (ईशान) शेख और कमेटी पदाधिकारियों ने जुलूस के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग देने वाले पुलिस प्रशासन, सामाजिक संगठनों, विभिन्न समाजों के नागरिकों तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कोरणी घाट तीर्थस्थल के लिए सर्विस रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने दी मंजूरी..

सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेन्द्र जैन की अनुशंसा पर मिली स्वीकृति..

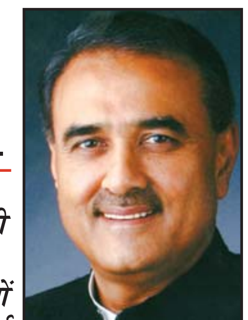

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया तालुका के ग्राम कोरणी घाट स्थित विठ्ठल-रुख्मिणी मंदिर तीर्थस्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग से नए एप्रोच मार्ग (सर्विस रोड) के निर्माण को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रस्ताव को सक्षम प्राधिकारी द्वारा 6 अगस्त 2026 को स्वीकृति दी गई है। आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया

पूरी होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। गौरतलब है कि कोरणी घाट में प्रतिवर्ष धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गणेशोत्सव और नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। नदी तट तक जाने वाला वर्तमान मार्ग संकरा एवं खराब होने के कारण लंबे समय से नागरिकों और श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही थी। स्थानीय नागरिकों, विठ्ठल-रुख्मिणी मंदिर ट्रस्ट तथा विभिन्न मंडलों द्वारा नए मार्ग की लगातार मांग की जा रही थी। इस विषय को राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस, गोंदिया के जिलाध्यक्ष केतन तुरकर ने सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेंद्र जैन के संज्ञान में लाया और निवेदन किया। इसके बाद दोनों सांसदों द्वारा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संबंधित अधिकारियों से पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। एनएचएआई परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छिंदवाड़ा ने अब सर्विस रोड निर्माण की अनुमति सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त होने की जानकारी दी है। सांसद राजेंद्र जैन ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केतन तुरकर द्वारा विषय उठाने एवं निरंतर प्रयास करने की सराहना की। नए मार्ग के निर्माण से कोरणी घाट आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के संचालन में भी सुविधा होगी।

यूवा नेता केतन तुरकर ने सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेंद्र जैन के प्रति किया आभार व्यक्त..

गौरतलब है कि नेशनल हाईवे मार्ग निर्माण के उपरांत एप्रोच रोड नहीं होने से आ रही दिक्कतों के कारण तथा श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के लिए सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेंद्र जैन के प्रयासों से स्वीकृति मिलने पर यूवा नेता केतन तुरकर सहित क्षेत्रवासियों ने आभार व्यक्त किया है।

सुर्याटोला में नवनिर्मित बौध्द विहार में तथागत भगवान गौतम बुध्द मुर्ती का अनावरण संपन्न..

भगवान गौतम बुध्द ने संपूर्ण विश्व को सत्य, अहिंसा, करुणा मैत्री और मानवता का संदेश दिया - उमादेवी गोपालदास अग्रवाल

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर स्थित सुर्याटोला परिसर में श्रीमती उमादेवी गोपालदासजी अग्रवाल के शुभ हस्ते पार्षद श्री सुनील भालेराव की अध्यक्षता में भगवान बुध्द मुर्ती स्थापना एवं अनावरण संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि, उक्त बुध्द विहार का निर्माण पूर्व विधायक गोपालदास

अग्रवाल के प्रयत्नों से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता श्रीमती मौसमी भालाधरे मेश्राम के अनुरोध पर किया गया था। इस शुभ अवसर पर उपस्थितों को संबोधित करते हुए श्रीमती उमादेवी गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, आज सुर्याटला में तथागत भगवान गौतम बुध्द के इस बौध्द विहार में भगवान गौतम बुध्द की प्रतिमा के अनावरण के पावन अवसर पर उपस्थित होकर अत्यंत प्रसन्नता एवं आत्मिक शांति की अनुभूति हुई। भगवान गौतम बुध्द ने संपूर्ण विश्व को सत्य, अहिंसा, करुणा, मैत्री और मानवता का संदेश दिया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है, कि समाज में किसी भी प्रकार के भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए तथा प्रत्येक व्यक्ति को समानता, सम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। भगवान बुध्द का अप्प दीपो भव का संदेश हमें स्वयं ज्ञान का प्रकाश बनकर समाज को सही दिशा देने की प्रेरणा देता है। आज के तनावपूर्ण और संघर्षपूर्ण समय में बुध्द के विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। समाज में शांति, भाईचारा और समरसता स्थापित करने के लिए उनके बताए मार्ग को अपने आचरण में उतारना आवश्यक है। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने भगवान बुध्द के समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय के विचारों को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। हमें बाबासाहेब के सपनों के अनुरुप ऐसा समाज बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जिसमें शिक्षा, समान अवसर और सामाजिक न्याय प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। इस सुंदर बौध्द विहार में भगवान बुध्द की प्रतिमा पीढ़ियों के लिए श्रध्दा का केंद्र ही नहीं, बल्कि ज्ञान, करुणा, शांति और सामाजिक एकता की प्रेरणा का केंद्र बनेगी। श्रीमती मौसमी भालाधरे मेश्राम ने इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, नगरसेवक सुनील भालेराव संपुर्ण बौध्द विहार समिति के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, उपासक-उपासिकाओं एवं सहयोगकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए, सभी को भगवान बुध्द के बताए धम्म मार्ग पर चलकर समाज और मानवता की सेवा करने का आव्हान किया।

गोंदिया की बेटी का देश विदेश में बज रहा डंका..

दंत चिकित्सा क्षेत्र में मुंबई में डॉ. अदिति वरुण अग्रवाल ने बनाई खास पहचान..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जैसे छोटे शहर से निकलकर मुंबई में अपनी अलग पहचान बनाने वाली डॉ. अदिति वरुण अग्रवाल ने दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। नागपुर के लता मंगेशकर अस्पताल से शिक्षा प्राप्त करने के

बाद उन्होंने मुंबई में 'स्माइल इन डेंटिस्ट्री' नामक ब्रांड स्थापित कर दस दंत चिकित्सालयों की श्रृंखला शुरू करने की योजना बनाई है। मुंबई के कांदिवली वेस्ट स्थित ट्रिनिटी बिल्डिंग में उनके नए क्लीनिक का शुभारंभ रविवार, 30 अगस्त को होने जा रहा है।

डॉ. अदिति ने अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री में विशेषज्ञता हासिल की है। इसके अलावा उन्होंने इम्प्लांट, ब्रेसिज लगाने के साथ-साथ बच्चों के दांतों के उपचार में भी अमेरिका से फेलोशिप प्राप्त की है।

उनके क्लीनिक में उनके मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा प्राप्त पांच विशेषज्ञ दंत चिकित्सक सेवाएं देंगे। क्षेत्र के करीब 200 दंत चिकित्सालयों में अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित इस क्लीनिक में लेजर गैस और सीबीसीटी मशीन जैसी आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से मरीजों का दर्द एवं भय रहित उपचार किया जाएगा। क्लीनिक का उद्घाटन 30 अगस्त रविवार को भारत के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री तथा भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री पीयूष गोयल के हाथों होगा। डॉ. अदिति के क्लीनिक में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, दुबई और लंदन से भी मरीज दंत उपचार के लिए पहुंचते हैं। उनके यहां मरीजों का संपूर्ण उपचार महज एक सप्ताह में पूरा कर निःशुल्क कर दिया जाता है।

डॉ. अदिति गोंदिया के भारत स्माइल क्लीनिक के निदेशक डॉ. अक्षत अग्रवाल की बहन एवं वरिष्ठ पत्रकार गोपाल अग्रवाल-वंदना अग्रवाल की सुपुत्री हैं। गोंदिया की बेटी की इस उपलब्धि से शहरवासियों में गर्व और खुशी का माहौल है।

- सूचना - यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नहीं मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 98605 58902 पर संपर्क करें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com